



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
दीनांक २५.१२.२०२०

दिनांक १२.१२.२०२० पृष्ठ संख्या २ कॉलम ६-७

एचएयू में नवनियुक्त वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण

भारतीय न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण शुरू किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन नवनियुक्त वैज्ञानिकों को विवि के ढांचे व गतिविधियों की जानकारी देने के लिए किया जा रहा है।

प्रशिक्षणार्थियों को मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिंहपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए प्रासंगिक है और उम्मीद है कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशालय के संगठनात्मक सेट-अप से परिचित कराया और इसके चार प्रकोष्ठों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे में जानकारी दी जाएगी। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू



मेहता ने बताया कि आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विवि के 21 नवनियुक्त शिक्षक शामिल हैं। इसके माध्यम से सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक्ट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में जानकारी दी जाएगी। विवि में स्थापित विभिन्न कॉलेजों सहित अन्य संस्थानों में प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन किसी एक संस्थान का भ्रमण करवाया जाता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

ਪੰਜਾਬ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨੀ

ਸਮਾਚਾਰ ਪਤਰ ਕਾ ਨਾਮ.....

ਦਿਨਾਂਕ 12. 9. 2020 ਪ੃ਛਲ ਸੰਖਾ..... 3 ਕੋਲਮ..... 3-5

शिक्षक वर्ग के लिए प्रासंगिक है आरंभिक प्रशिक्षण : डॉ. सिद्धपुरिया

हक्की में नवनियुक्त वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 11 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आरंभिक प्रशिक्षण शुरू किया गया। इसका आयोजन नवनियुक्त वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय के ढांचे व गतिविधियों की जानकारी देने को लेकर किया जा रहा है।

प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए बहुत ही प्रासंगिक है और उम्मीद है कि सभी

प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 21 नवनियुक्त शिक्षक शामिल हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक एंड स्ट्रट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी।



प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया एवं उपस्थित प्रतिभागी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....ज्ञानालय.....

दिनांक ।२।९।२०२० पृष्ठ संख्या.....५.....कॉलम.....३-४.....

शिक्षक वर्ग के लिए प्रासंगिक है आरंभिक प्रशिक्षण : डॉ. सिद्धपुरिया

अमर उजाला ब्लूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आरंभिक प्रशिक्षण शुरू किया गया। इस दौरान मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए बहुत ही प्रासंगिक है और उम्मीद है कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे।

उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशालय के संगठनात्मक ढांचे से परिचित कराया और इसके चार प्रकोष्ठों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम की

संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 21 नवनियुक्त शिक्षक शामिल हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एकट एंड स्टेट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी। विवि के एसवीसी श्याम सुंदर शर्मा ने विवि के एकट एंड स्टेट्स व यात्रा भत्ता नियमों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के नियमों व कायदे कानूनों के बारे में प्रत्येक कर्मचारी को जानकारी होनी चाहिए, जो पूरे सेवाकाल में काम आती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पैकीन कृष्णा १२०

दिनांक १२.९.२०२० पृष्ठ संख्या..... ३ कॉलम..... ४

शिक्षक वर्ग के लिए प्रासंगिक है प्रशिक्षण

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं विज्ञानियों के लिए शुक्रवार से आरंभिक प्रशिक्षण शुरू हुआ। इसका आयोजन नवनियुक्त विज्ञानियों को विश्वविद्यालय के ढाँचे व गतिविधियों की जानकारी देने को लेकर किया जा रहा है।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डा. एमएस सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए बहुत ही प्रासंगिक है। उम्मीद है कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशालय के संगठनात्मक सेटअप से परिचित कराया और इसके चार प्रकोष्ठों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से सफलतापूर्वक, पूरी लगान से इस रिफ्रेशर कोर्स को पूरा करने का आह्वान किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डा. मंजू मेहता ने बताया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 21 नवनियुक्त शिक्षक शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
खेती का भास्कर

दिनांक 12.9.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 3-7

एचएयू में पढ़ने वाली
तंजानिया की छात्रा
जोसेफिन जॉन के
शोध में हुआ खुलासा

महबूब अली दिसार

तिलहन फसल गार्डन क्रेस सीइस यानि चनसूर सेहत के लिए फायदेमंद है। चनसूर से बनाए लड्डू, सेव, मफिन, बिस्कुट, मट्टी में प्रोटीन, वसा, रेशा खनिज लवण और एंटीऑक्सीडेंट्स सामान्य पदार्थों से अधिक है।

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग में गार्डन क्रेस सीइस पर एमएससी की छात्रा तंजानिया की रहने वाली जोसेफिन जॉन ने डॉ. वर्षा रानी की देखरेख में शोध किया तो यह खुलासा हुआ। शोध कार्य को संपन्न करने पर एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह और डॉन पीजीएस डॉ. आशा कवात्रा ने भी रिसर्च करने वाली टीम की सराहना

चनसूर से बनाए लड्डू, बिस्किट, मट्टी में प्रोटीन वसा और खनिज लवण की मात्रा भी अधिक

की है। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. बिमला ढांडा और खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्षा डॉ. संगीता चहल सिंधु ने बताया कि रिसर्च में पाया गया है कि गार्डन क्रेस सीइस की यह उत्तम किस्म प्रोटीन, वसा और रेशे के साथ-साथ खनिज लवणों का भी भंडार है। एचएयू में शिक्षा ग्रहण करने वाली विदेशी छात्रा जोसेफिन जॉन ने रिसर्च के दौरान पाया कि यह फसल पानी में भिगोने पर श्रेष्ठ एक पकार का जैल बना लेता है, जो खाने में चिपचिपा व स्वादरहित हो जाता है व कारणवश अक्सर उपेक्षित रह जाता है। क्योंकि यह पोषण से भरपूर सेहतमंद व सस्ता विकल्प है। इसलिए इसके बेहतर प्रयोग के प्रयास इस शोध में किए गए।



तिलहन फसल पर रिसर्च करने वाली गृह विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग की विदेशी छात्रा, अध्यक्षा डॉ. संगीता चहल सिंधु व अन्य।

खाद्य पदार्थों पर चल रही रिसर्च

गृह विज्ञान विभाग में खाद्य पदार्थों को लेकर कई रिसर्च चल रही है। विभाग के प्रोफेसर और अन्य स्टाफ का प्रयास सराहनीय है।

-प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति, एचएयू।

रिसर्च के दौरान ही तैयार किए लड्डू और कटलेट

छात्रा जोसेफिन जॉन ने बताया कि रिसर्च के दौरान उसने सीइस को गर्म कड़ाही में मंद आंच पर थोड़ा भूनने के बाद लगभग 5 मिनट तक 150 डिग्री सेंटीग्रेट-पर लगातार हिलाते हुए भूना व ठंडा होने तक इसके ऐसे ही या पाउडर बनाकर खाद्य पदार्थों के मूल्य संवर्धन में उपयोग किया गया। इसके बाद गार्डन क्रेस युक्त पोषण से भरपूर लड्डू, सेव, मफिन, बिस्कुट, कटलेट, मट्टी बनाई व उनका पोषण संबंधी विश्लेषण किया। पाया कि सभी भोज्य पदार्थों का प्रोटीन, वसा, रेशा, खनिज लवण व एंटीऑक्सीडेंट्स सामान्य पदार्थों से अधिक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....भैंडी के भास्तु.....

दिनांक ..1.3.2020.....पृष्ठ संख्या.....5.....कॉलम.....3.....

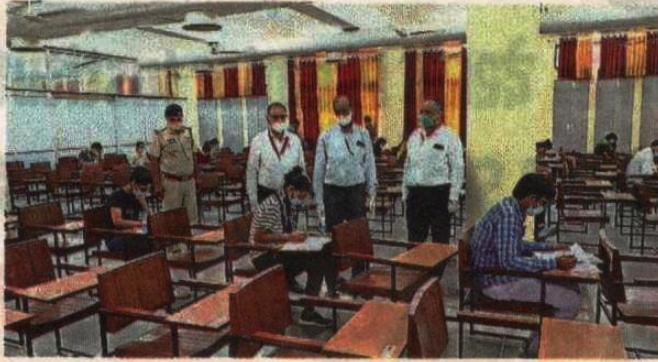
एचएयू में 543 ने दी प्रवेश परीक्षा कोरोना के कारण कम आए स्टूडेंट्स स्नातकोत्तर व पीएचडी में प्रवेश परीक्षा का अंतिम चरण 16 सितंबर को

भारत न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को बेसिक साइंस की पीएचडी में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का तीसरा चरण आयोजित किया। प्रवेश परीक्षा में 543 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाना है, जिसका तीसरा चरण 12 सितंबर को आयोजित किया गया।

जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया था और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया है। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक आयोजित की गई।

परीक्षाओं पर पड़ रहा कोरोना का असर, विद्यार्थियों की संख्या रही कम: परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते इसका सीधा असर



एचएयू में परीक्षा केंद्र पर निरीक्षण करने पहुंचे वीसी व स्टाफ सदस्य।

कुलपति ने परीक्षा केंद्रों का लिया जायजा

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का दैरा करते हुए चल रही परीक्षाओं का जायजा लिया और ड्यूटी कर्मचारियों को शांतिपूर्वक परीक्षा करवाने की अपील की। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता प्रोफेसर आशा बवाज़ा ने बताया कि स्नातकोत्तर व पीएचडी की परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितंबर को होगा।

परीक्षार्थियों की संख्या पर भी पड़ रहा है। इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 ने विद्यार्थियों ने ॲनलाइन आवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. के कोर्स शामिल हैं। परीक्षा के तीसरे चरण में बेसिक साइंस की पी.एच.डी. के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 880 उम्मीदवारों को शामिल होना था, जबकि 543 उम्मीदवार ही शामिल हो पाए। केंद्र व राज्य सरकार की जारी हिदायतों को ध्यान में रखते हुए

इन परीक्षाओं को आयोजित करवाने के लिए चार परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय, इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय और मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय शामिल हैं। इन चार केंद्रों पर 41 कमरे जिनमें हॉल भी शामिल हैं, निर्धारित किए गए थे ताकि सामाजिक दूरी व सेनेटाइजेशन की पूरी तरह से पालना की जा सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
द्वारा : भूज.....

दिनांक .13. 9. 2020 पृष्ठ संख्या.....9कॉलम.....4-8

पीएचडी में दाखिले के लिए 543 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

337 छात्रों ने नहीं दी हक्कुवि की प्रवेश परीक्षा

■ स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का अंतिम चरण 16 को

हरिमूर्गि न्यूज » हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को बेसिक साइंस की पी.एच.डी. में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का तीसरा चरण आयोजित किया। प्रवेश परीक्षा में 543 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाना है, जिसका तीसरा चरण 12 सितंबर को आयोजित किया गया। मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि विश्वविद्यालय के कुलपति



हिसार। प्रवेश परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह।

फोटो : हरिपूर्ण

उधर, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए चल रही परीक्षाओं का जायजा लिया और इयटी कर्मचारियों को शान्तिपूर्वक परीक्षा करवाने की अपील की। वहाँ

परीक्षाओं पर पड़ रहा कोरोना का असर

परीक्षा विरोक्त डॉ. स.स.के. पाठुजा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते छात्रका सीधा असर परीक्षार्थियों तो संख्या पर भी पड़ रहा है। इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 वे विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें राजातकातर व पी.एच.डी. के कार्सें शामिल हैं। परीक्षा के तीसरे चरण में बेसिक साइंस की पी.एच.डी. के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 880 उम्मीदवारों की शामिल होना था, जबकि 543 उम्मीदवारों ही शामिल हो पाए। केंद्र व राज्य सरकार की जारी हिदायतों को ध्यान में रखते हुए इन परीक्षाओं को आयोजित करवाने के लिए चार परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय, इदिरा वक़्रवर्ती गुठ विज्ञान महाविद्यालय और जीविक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय शामिल हैं। इन चार केंद्रों पर 41 कमरे जिनमें हाँस भी शामिल हैं, विधारित किए गए थे ताकि सामाजिक दूरी व सेनेटाइजेशन की पूरी तरह से पालना की जा सके।

तीन चरणों ने हुई परीक्षा संपन्न

राजातकातर अधिकारी प्रोफेसर आशा क्वात्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से जारी परीक्षा तो तिथियों अनुसार 6 सितंबर, 9 सितंबर व 12 सितंबर को तीन चरणों में परीक्षाएं संपन्न हो चुकी हैं। राजातकातर व पी.एच.डी. की परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितंबर को होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पैनिक जागरूक

दिनांक 13.9.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 2-6

शिक्षा

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर और पीएचडी प्रोग्रामों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का अंतिम चरण 16 को

प्रवेश परीक्षा में 543 विद्यार्थी शामिल, 337 अनुपस्थित

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) प्रशासन ने शनिवार को बेसिक साइंस की पीएचडी में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का तीसरा चरण आयोजित किया।

इसमें 543 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337 अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाना है, जिसका तीसरा चरण 12 सितंबर को आयोजित किया गया।

परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक आयोजित की गई।

इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 ने विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पीएचडी के कोर्स शामिल हैं। परीक्षा के तीसरे चरण में बेसिक साइंस की



स्नातकोत्तर में प्रवेश परीक्षा के दौरान कमरे का जायजा लेते चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह। ● पीआरआ॒

पीएचडी के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 880 विद्यार्थियों को शामिल होना था, इसमें 543 ने ही परीक्षा दी।

शारीरिक दूरी, सैनिटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान: परीक्षा में विद्यार्थियों को सैनिटाइज करने के बाद ही अंदर जाने दिया गया। साथ

ही जिन्होंने मास्क नहीं लगा रखा था, उन्हें इसे लगाने के लिए कहा गया। शारीरिक दूरी का ध्यान रखते हुए परीक्षा केंद्र के बाहर भीड़ एकत्रित नहीं होने दी गई।

केंद्र के अंदर पेन व एडमिट कार्ड के अलावा अन्य किसी प्रकार की

पोर्टल में आई गड़बड़ी, अधिकतर समय बंद

जास, हिसार: कॉलेजों में दाखिले को लेकर शनिवार को छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ा। क्योंकि अधिकतर समय पोर्टल नहीं चला। पोर्टल में इम्पीरियल कॉलेज को कॉलेज दर्शाया। डायरेक्टर डा. कॉलेज के सिर्फ गर्ल्स कॉलेज में दर्शाया गया था। पोर्टल में यह सुविधा है कि छात्र को आवेदन करते समय लड़कियों के कॉलेज

लिस्ट में दर्शाए नहीं जाएंगे, जबकि लड़कियों के लिए सभी कॉलेज दिखाए हैं। लेकिन पोर्टल पर इम्पीरियल कॉलेज को लड़कियों का कॉलेज दर्शाया। डायरेक्टर डा. सत्य सुरेंद्र सिंगला ने बताया कि उनको इस बात का पता दो दिन बाद लगा, तो उन्होंने विभाग के उच्च अधिकारियों को शिकायत दी।

धातु आदि वस्तुओं को ले जाने की मनाही थी। कुलपति प्रो. समर सिंह व कुलसचिव डा. बीआर कंबोज सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया।

परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 को: स्नातकोत्तर अधिष्ठाता

प्रोफेसर आशा कवात्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से जारी परीक्षा की तिथियों अनुसार 6, 9 व 12 सितंबर तक तीन चरणों में परीक्षाएं संपन्न हो चुकी हैं। स्नातकोत्तर व पीएचडी की परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितंबर को होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब कैसरी.....

दिनांक .1.3.9.2020 पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....३-७.....

एच.ए.यू. में 543 परीक्षार्थियों ने स्नातकोत्तर के लिए दी प्रवेश परीक्षा, 337 दहे गैरहाजिर

■ स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. प्रोग्रामों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का अंतिम चरण 16 को

हिसार, 12 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को बैसिक साइंस की पी.एच.डी. में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का तीसरा चरण आयोजित किया। इसमें 543 परीक्षार्थी शामिल हुए। जबकि 337 अनुपस्थित रहे। इन परीक्षाओं को 4 चरणों में आयोजित किया जाना है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि परीक्षा सुबह 10.30 से दोपहर 12.30 बजे तक आयोजित की गई।



प्रवेश परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते हुए व परीक्षा केंद्रों के बाहर परीक्षार्थियों को मास्क उपलब्ध करवाते, शर्मल स्कैनिंग करते और हाथ सैनिटाइज करवाते कर्मचारी। (फैस)

महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है। सभी परीक्षा केंद्रों को पहले सैनिटाइज कराया गया था और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया है। परीक्षा

परीक्षाओं पर पड़ रहा कोरोना का असर

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि कोरोना महामारी का सीधा असर परीक्षार्थियों की संख्या पर भी पड़ रहा है। इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 ने विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. के कोर्स शामिल हैं। परीक्षा के तीसरे चरण में बैसिक साइंस की पी.एच.डी. के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 880 उम्मीदवारों को शामिल होना था, जबकि 543 उम्मीदवार ही शामिल हो पाए। उन्होंने बताया कि इन परीक्षाओं को आयोजित करवाने के लिए 4 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का दौरा कर जायजा लिया। स्नातकोत्तर अधिकारियों ने आशा क्यात्रा ने बताया कि स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. की परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितम्बर को होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....**उजाला**.....

दिनांक ।३।।१।।२०।।२०।।पृष्ठ संख्या.....५.....कॉलम.....३७.....

एचएयू में 543 परीक्षार्थियों ने दी स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रवेश परीक्षा

अमर उजाला ब्लूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) प्रशासन ने शनिवार को बैसिक साइंस के स्नातकोत्तर व पीएचडी कोर्स में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का तीसरा चरण आयोजित किया। प्रवेश परीक्षा में 543 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाना है, जिसका तीसरा चरण 12 सितंबर को आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सैनिटाइज कराया गया था और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया है। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक आयोजित की गई। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने



कुलपति प्रो. समर सिंह परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते हुए व परीक्षा में बैठे परीक्षार्थी।

बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 3448 ने विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पीएचडी के कोर्स शामिल हैं। परीक्षा के तीसरे चरण में बैसिक साइंस की पीएचडी के लिए

आयोजित प्रवेश परीक्षा में 880 उम्मीदवारों को शामिल होना था, जबकि 543 उम्मीदवार ही शामिल हो पाए। इन परीक्षाओं को आयोजित करवाने के लिए विवि कैप्स में ही चार परीक्षा केंद्र बनाए

गए थे। परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पूर्व परीक्षार्थियों को मास्क उपलब्ध करवाए गए। परीक्षा भवन में जाने से पूर्व प्रत्येक उम्मीदवार की थर्मल स्कैनिंग करते हुए उनके हाथ सैनिटाइज करवाए गए। परीक्षा केंद्र के अंदर पेन व एडमिट कार्ड के अलावा अन्य किसी प्रकार की धातु आदि वस्तुओं को ले जाने की मनाही थी। कुलपति प्रो. समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने परीक्षाओं का जायजा लिया।

स्नातकोत्तर अधिष्ठाता प्रो. आशा बवात्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से जारी परीक्षा की तिथियों अनुसार 6 सितंबर, 9 सितंबर व 12 सितंबर को तीन चरणों में परीक्षाएं संपन्न हो चुकी हैं। स्नातकोत्तर व पीएचडी की परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितंबर को होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब कैसरी

दिनांक .12.9.2020 पृष्ठ संख्या.....2 कॉलम.....4-5



कृषि वैज्ञानिकों से बातचीत करते कुलपति प्रो. समर सिंह।

किसानों की समस्या को ध्यान में रखकर करें अनुसंधान : प्रो. समर सिंह

हिसार, 12 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास व दलहन अनुभागों का दौरा कर फसल की मौजूदा स्थिति और अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया।

गौरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश के कई इलाकों में किसानों की नरमा-कपास की फसल को नुकसान हुआ है। किसानों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में

बोई गई कपास की विभिन्न किस्मों की फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श किया। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे किसानों की मौजूदा समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध कार्य करें। कुलपति ने कपास अनुभाग में सूक्ष्म सिंचाई तकनीक द्वारा बोई गई कपास की

किस्मों का भी जायजा लिया। इस दौरान दलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र का दौरा कर मूँग, उड़द व अन्य दलहनी फसलों को लेकर चल रहे शोध कार्यों का जायजा लिया।

**■ कुलपति ने
विश्वविद्यालय के
अनुसंधान क्षेत्र
का किया दौरा**



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक १३.९.२०२० पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....१-२.....

किसानों को ध्यान में रख विज्ञानी करें अनुसंधान

जागरण संगवादाता, हिसार
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर
सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय
के कपास व दलहन अनुभागों का
दौरा कर फसल की मौजूदा स्थिति
और अनुसंधान कार्यों का जायजा
लिया। गौरतलब है कि वर्तमान में
प्रदेश के कई इलाकों में किसानों की
नरमा और कपास की फसल को
नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा कि किसान व कृषि
विज्ञानी एक सिक्के के दो पहलू
हैं। हमारे विश्वविद्यालय का मुख्य
उद्देश्य किसानों के लिए फसलों की
नई-नई किस्में विकसित करना और
आधुनिक तकनीकें प्रदान करना है,
ताकि किसान की पैदावार में निरंतर
बढ़ोत्तरी हो। उन्होंने विज्ञानियों
द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों
की सराहना करते हुए कहा कि वे
किसानों की मौजूदा समस्याओं को
ध्यान में रखकर शोध करें।

मक्खी के बावजूद हानि नहीं

कृषि विश्वविद्यालय के कपास
अनुभाग में बोई गई नरमा की
फसल पर सफेद मक्खी व
अन्य बीमारियों का प्रकोप होने
के बावजूद फसल में आर्थिक
नुकसान नहीं है। विश्वविद्यालय के
अनुसंधान फार्म में बोई गई नरमा
की फसल में सिफारिश किए गए
कीटनाशकों का ही प्रयोग किया
गया है।

बताए रसायनों का प्रयोग करें

कुलपति ने कहा कि किसान
अपनी फसलों पर विश्वविद्यालय
के कृषि विज्ञानियों द्वारा सिफारिश
किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग
करें। किसी के बहकावे में आकर
या एक-दूसरे की होड़ करते
हुए फसल पर कीटनाशकों का
छिड़काव न करें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....प्रौद्योगिकी भारत.....

दिनांक 13.9.2020 पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....3-4.....

कुलपति ने अनुसंधान क्षेत्र का किया दौरा वैज्ञानिकों से अपील- किसानों की समस्या को ध्यान में रख करें अनुसंधान

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास और दलहन अनुभागों का दौरा कर फसल की मौजूदा स्थिति और अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया। वैज्ञानिक व अन्य को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। गौरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश के कई इलाकों में किसानों की नरमा कपास की फसल को नुकसान हुआ है। किसानों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय

के कपास अनुभाग में बोई गई कपास की विभिन्न किस्मों की फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श किया। उन्होंने कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों से बातचीत करते हुए कहा कि किसान व कृषि वैज्ञानिक एक सिवके के दो पहलू हैं। हमारे विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य किसानों के लिए फसलों की नई-नई किस्में विकसित करना और आधुनिक तकनीकें प्रदान करना है ताकि किसान की पैदावार में निरंतर बढ़ोतरी हो। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे किसानों की मौजूदा समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध कार्य करें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दूर-भूमि..... झज्जर तज्जाला.....
दिनांक ।.३.१.२०२०.....पृष्ठ संख्या.....१,.....५.....कॉलम.....।,.....४.....

**किसानों की समस्या को
ध्यान में रख करें अनुसंधान
हिसार।** हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर
समर सिंह ने शनिवार को
विश्वविद्यालय के कपास व दलहन
अनुभागों का दैरा कर फसल की
मौजूदा स्थिति और अनुसंधान
कार्यों का जायजा लिया। गैरतलब
है कि वर्तमान में प्रदेश के कई
इलाकों में किसानों की नरमा
कपास की फसल को नुकसान
हुआ है। किसानों की इसी समस्या
को ध्यान में रखते हुए
विश्वविद्यालय के कुलपति ने
विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग
में बोई गई कपास की विभिन्न
किसों की फसल का जायजा
लिया और वैज्ञानिकों से विचार-
विमर्श किया। इस अवसर पर
आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन
विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के.
छाबड़ा सहित संबंधित अनुभागों
के वैज्ञानिक मौजूद थे। वैज्ञानिकों
ने बताया कि विश्वविद्यालय के
कपास अनुभाग में बोई गई नरमा
की फसल पर सफेद मक्खी व
अन्य बीमारियों का प्रकोप होने के
बावजूद फसल में आर्थिक नुकसान नहीं है।
यह सब कपास में उचित समय पर बिजाई व
समन्वित कृषि प्रबंधन का ही नतीजा है। ब्लूरो

**किसानों की समस्या को
ध्यान में रखकर करें
शोध : प्रो. समर सिंह**

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
(एचएयू) के कुलपति प्रो. समर सिंह ने
शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास व
दलहन अनुभागों का दैरा कर फसल की
मौजूदा स्थिति और अनुसंधान कार्यों का
जायजा लिया। इस दैरान उन्होंने वैज्ञानिकों से
किसानों की मौजूदा समस्याओं को ध्यान में
रखकर शोध कार्य करने का आह्वान किया।
इस मौके पर वैज्ञानिकों ने बताया कि विवि के
कपास अनुभाग में बोई गई नरमे की फसल पर
सफेद मक्खी व अन्य बीमारियों का प्रकोप होने
के बावजूद फसल में आर्थिक नुकसान नहीं है।
यह सब कपास में उचित समय पर बिजाई व
समन्वित कृषि प्रबंधन का ही नतीजा है। ब्लूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... अभियान!

दिनांक 13.9.2020 पृष्ठ संख्या.....। कॉलम..... 2-6

प्रयास

मशरूम, बायो फर्टिलाइजर, फूड प्रोसेसिंग सहित विभिन्न प्रशिक्षण दे रहा विश्वविद्यालय

युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने को प्रशिक्षण देगी एचएयू

अमर उजाला व्यूरो

हिसार। कोरोना संकट के दौरान महानगरों से नौकरी छोड़कर आए युवाओं को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कृषि स्वरोजगार स्थापित करने में सहयोग करेगा। विवि युवाओं को कृषि आधारित व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रशिक्षण देगा और व्यवसाय शुरू करवाने तक तकनीकी व योजनागत सहयोग देगा।

सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में एक लाख करोड़ रुपये में से किस-किस योजना के तहत युवा स्वरोजगार स्थापित करने के लिए पैसा हासिल कर सकते हैं, यह भी बताया जाएगा। विवि के कूलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि युवाओं में अपना व्यवसाय शुरू करने की काबिलियत है,

मूँग से दाल बना खुद बेचकर कमाएं अधिक लाभ

विशेषज्ञों के अनुसार, कृषि क्षेत्र में व्यवसायों की कमी है। बाहर नौकरी करने वाले युवा व्यवसाय के दृष्टिकोण के साथ खेती कर उत्पाद को अधिक दामों में बेच सकता है। जो मूँग किसान बाहर सीधा बेचता है, उस मूँग को दाल बनाकर पैकिंग बेचे तो बिचौलिये खत्म होंगे और किसान का मुनाफा बढ़ेगा। ऐसे ही हर कृषि उत्पाद से संबंधित फूड प्रोसेसिंग प्लांट लगाया जा सकता है। विवि के कूलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और महाराणा प्रताप बागवानी विवि दोनों ही संस्थान



युवाओं को प्रशिक्षण देने की संख्या बढ़ा रहे हैं। इसमें मशरूम, मधुमक्खी पालन, सब्जी-फलों की प्रोसेसिंग और मार्केटिंग, बायो फर्टिलाइजर आदि प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम केवल प्रशिक्षण नहीं देंगे, बल्कि युवाओं का व्यवसाय शुरू करवाएंगे। उन्हें इसके लिए वित्त, मार्केटिंग, संसाधन आदि किस-किस चीज की जरूरत होगी और वो कैसे पूरी होगी, इसके बारे में भी पूरी जानकारी दी जाएगी।

लेकिन उन्हें रास्ता नहीं मिल रहा है। व्यवसाय शुरू करवाने में भी पूरा विवि उन्हें रास्ता दिखाएगा और सहयोग करेगा।

विश्वविद्यालय आकर

जानकारी लें युवा

जो युवा कृषि से संबंधित अपना कोई भी व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, वे विवि जरूर आएं और

इसके बारे में यहाँ के वैज्ञानिकों से और एबिक सेंटर में संपर्क करके पूरी जानकारी लें। वे जानें कि सरकार की कौन-कौन सी योजनाएं हैं और विवि में वे कौन सी ट्रेनिंग लेकर अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। विवि युवाओं को व्यवसाय शुरू करने में सहयोग करने को तैयार है। पिछले वर्ष एबिक सेंटर के माध्यम से ही करीब 40 लोगों ने अपना व्यवसाय शुरू किया था।

- प्रो. समर सिंह, कूलपति, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दीनक जारी

दिनांक .14.9.2020 पृष्ठ संख्या..... 3 कॉलम... 2-4

एचएयू की अधूरी परियोजनाओं को मिलेगी रप्तार, मिला 98.27 करोड़ का अनुदान

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अभी तक पैसे के अभाव में अधूरे पड़े प्रोजेक्ट, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियां नहीं रुकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेच्युटी, लीव इनकैशमेंट, सीवीपी आदि की पेमेंट भी जल्द कर दी जाएंगी। इसके लिए सरकार के वित्त विभाग द्वारा विश्वविद्यालय को 98.27 करोड़ रुपये की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। यह राशि विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है। वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार द्वारा प्रतिवर्ष चार तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की अनुदान राशि जो जून माह में जारी की जानी थी, वह कोरोना महामारी व कुछ अन्य प्रशासनिक कारणों से



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह।
• जागरण आर्काइव

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नहीं हो कोई परेशानी : कुलपति कुलपति प्रो. समर सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं कि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। इसके लिए उन्हें दर-दर नहीं भटकना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय को उन्नति के शिखर पर ले जाने में अपना अहम योगदान दिया है। इसलिए उनके पेंशन, ग्रेच्युटी, लीव इनकैशमेंट व मेडिकल संबंधी किसी भी प्रकार के कार्यों में देरी नहीं होनी चाहिए।

जारी नहीं हो सकी थी। इसकी वजह से विश्वविद्यालय के कई प्रोजेक्ट अधर में लटके हुए थे और निर्माण, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों पर भी पैसे के अभाव में

विपरीत असर पड़ रहा था। अब वित्त विभाग की ओर से यह अनुदान राशि सितंबर माह में जारी कर दी गई है।

J हिसार की अन्य खबरें पढ़ने के लिए देखें
www.jagran.com



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दैनिक भास्कर

दिनांक । ५। ९। २०२० पृष्ठ संख्या । २ कॉलम । ३५

अब एचएयू के अधूरे प्रोजेक्ट्स पकड़ेंगे रफ्तार, 98.27 करोड़ का मिला अनुदान प्राथमिकता से पूरे करें सेवानिवृत्त कर्मचारियों के काम : प्रो. समर सिंह

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अभी तक रूपयों के अभाव में अधूरे पढ़े प्रोजेक्ट और अन्य अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियां नहीं रुकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेच्यूटी, लीब इनकेशमेंट, सीबीपी आदि की पेमेंट भी जल्द कर दी जाएगी। इसके लिए हरियाणा सरकार के वित्त विभाग ने एचएयू को लगभग सौ करोड़ रुपए (98.27 करोड़ रुपये) की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। यह राशि विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है।

यह जानकारी देते हुए विवि के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से प्रतिवर्ष चार तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की

अनुदान राशि जो जून माह में जारी की जानी थी, वह कोरोना महामारी व कुछ अन्य प्रशासनिक कारणों से जारी नहीं हो सकी थी। इसकी वजह से विश्वविद्यालय के कई प्रोजेक्ट अधर में लटके हुए थे और निर्माण, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों पर भी पैसे के अभाव में विपरीत असर पड़ रहा था। उन्होंने बताया कि अब हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से यह अनुदान राशि सितम्बर माह में जारी कर दी गई है। वित्त नियंत्रक ने बताया कि विश्वविद्यालय की रुकी हुई ग्रांट जारी करवाने व कर्मचारियों के सीपीएफ से पेंशन केस के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने उन्हें विशेष दायित्व सौंपा हुआ था। उन्होंने बताया कि इसको लेकर चंडीगढ़ में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद ग्रांट जारी करवा दी है और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नहीं हो परेशानी : कुलपति

एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं कि विवि के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी कामों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। इसके लिए उन्हें दर-दर नहीं भटकना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय को उन्नति के शिखर पर ले जाने में अपना अहम् योगदान दिया है। इसलिए उनके पेशन, ग्रेच्यूटी, लीब इनकेशमेंट व मेडिकल संबंधी किसी भी प्रकार के कार्यों में देरी नहीं होनी चाहिए।

सीपीएफ से पेंशन का केस जोकि लंबे समय से वित्त विभाग के पास क्लेरिफिकेशन के लिए अधूरा पड़ा था, वह जल्द पूरा होने की उम्मीद है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पंजाब क्रेसरी

दिनांक 14.9.2020 पृष्ठ संख्या.....2 कॉलम.....1-5.....

एच.ए.यू. के अधूरे प्रोजैक्ट्स पकड़ेंगे रप्तार सरकार से मिला 100 करोड़ का अनुदान

■ प्राथमिकता से पूरे करें सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कान : प्रोफेसर समर सिंह

हिसार, 13 सितम्बर (ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अभी तक अधूरे पड़े प्रोजैक्ट और अन्य अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियां पैसे के अभाव में नहीं रुकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रैच्युटी, लीब इनकैशमैट, सी.वी.पी. आदि की पैमैट भी कर जल्द कर दी

जाएगी। इसके लिए हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को लगभग 100 करोड़ रुपए की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। यह राशि विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है।

विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक न वीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से प्रतिवर्ष 4 तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की अनुदान राशि जो जून माह में जारी की जानी थी, जो कोरोना महामारी व कुछ अन्य प्रशासनिक कारणों से जारी नहीं हो सकी थी। इस बजह से विश्वविद्यालय के कई प्रोजैक्ट अधर्म में लटके हुए थे और

निर्माण, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों पर भी पैसे के अभाव में विपरीत असर पड़ रहा था। उन्होंने बताया कि अब हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से यह अनुदान राशि सितम्बर माह में जारी कर दी गई है। वित्त नियंत्रक ने बताया कि विश्वविद्यालय की रुकी हुई ग्रांट जारी करवाने व कर्मचारियों के सी.पी.एफ. से पैशन केस के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने उन्हें विशेष दायित्व सौंपा हुआ था। उन्होंने बताया कि इसको लेकर चंडीगढ़ में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद ग्रांट तो जारी करवा दी गई है और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों

का सी.पी.एफ. से पैशन का केस जीकि पिछले लंबे समय से वित्त विभाग के पास क्लैरीफिकेशन के लिए अधूरा पड़ा हुआ था, वह भी

जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है क्योंकि विभाग के बारे में वित्त विभाग के अधिकारियों से जल्द पूरा होना आशासन मिला है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को न हो कोई परेशानी : कुलपा

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों दिशा-निर्देश दिए हैं कि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों सभी कामों को प्राथमिकता के आधार पर निपटा द्या जाए। इसके उन्हें दर-दर नहीं भटकना पड़े। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारी ने विश्वविद्यालय को उन्नति के शिखर पर ले जाने में अपना योगदान दिया है। इसलिए उनकी पैशन, ग्रेच्युटी, लीब इनकैशमैट मैडीकल संबंधी किसी भी प्रकार के कार्यों में देरों नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से दूसरी तिमाही के लिए लगभग 100 करोड़ रुपए की अनुदान राशि मिल चुकी है। इस सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पैडिंग पड़ी सभी पैमैट को जल्द से जल्द दिया जाना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
दैर्घ्यः भूमि.....

दिनांक ।.५.।.१.।.२०२० पृष्ठ संख्या.....१.....कॉलम.....।.....

खबर संक्षेप

सरकार से मिला सौ करोड़ रुपए का अनुदान

हिसार। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अभी तक पैसे के अभाव में अधूरे पड़े प्रोजेक्ट और अन्य अनुसंधान, विस्तार शिक्षा तथा शैक्षणिक गतिविधियां नहीं रुकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेच्यूटी, लीब इनकैशमेंट, सीवीपी आदि की पेमेंट भी कर जल्द कर दी जाएंगी। इसके लिए हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को लगभग सौ करोड़ रुपये की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। यह राशि विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है। विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से प्रतिवर्ष चार तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की अनुदान राशि जो जून माह में जारी की जानी थी, वह कोरोना महामारी तथा कुछ अन्य प्रशासनिक कारणों से जारी नहीं हो सकी थी। इसकी वजह से विश्वविद्यालय के कई प्रोजेक्ट अधर में लटके थे। वहीं, कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं कि विवि के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी कामों का प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला

दिनांक 14.9.2020 पृष्ठ संख्या.....! कॉलम.....255...

एचएयू को सौ करोड़ रुपये का मिला अनुदान

अधूरी परियोजनाएं पकड़ेंगी रफ्तार, विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है यह राशि

अमर उजाला ब्लूरे

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के अभी तक पैसे के अभाव में अधूरे पड़े प्रोजेक्ट और अन्य अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियां नहीं रुकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेच्युटी, लीब इनकैशमेंट, सीबीपी आदि की पेमेंट भी कर जल्द कर दी जाएंगी।

इसके लिए हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को लगभग सौ करोड़ (98.27 करोड़) की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। यह राशि



विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है। विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से प्रतिवर्ष चार तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की अनुदान राशि जो जून में जारी की जानी थी, वह कोरोना महामारी व

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नहीं हो कोई परेशानी : कुलपति
कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं कि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी कामों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। चूंकि अब लगभग सौ करोड़ रुपये की अनुदान राशि मिली है, इसलिए सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पैंडिंग पड़ी सभी पेमेंट जल्द कर दी जाए।

कुछ अन्य प्रशासनिक कारणों से जारी नहीं हो सकी थी। इससे विश्वविद्यालय के कई कर्मचारियों का सीपीएफ से पेंशन का केस प्रोजेक्ट अधर में लटके हुए थे और जोकि पिछले लंबे समय से वित्त विभाग के निर्माण, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व पास क्लैरिफिकेशन के लिए अधूरा पड़ा शैक्षणिक गतिविधियों पर भी पैसे के अभाव था, वह भी जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। इस केस के बारे में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से जल्द पूरा होने का आश्वासन मिला है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
दैनिक भास्कर

दिनांक १५.९.२०२० पृष्ठ संख्या.....२ कॉलम.....३-७

राष्ट्रीय पोषण माह पर विशेष

मंडे पॉजिटिव

महबूब अली | हिसार

एचएयू का खाद्य एवं पोषण विभाग पिछले करीब 46 साल से प्रदेश के सभी जिलों के बच्चे, महिला-पुरुषों को कुपोषण से बचाने के लिए जगरूक कर रहा है।

विभाग के प्रोफेसर, छात्र और स्टाफ के अन्य लोग गांव-गांव और शहर जाकर लोगों को स्वस्थ रखने के लिए खान-पान के तरीके बताते हैं। यही नहीं विभाग में तैयार खाद्य पदार्थों को बनाने की ट्रेनिंग देकर महिलाओं को

चूल्हे चौके से चलता स्वरोजगार... एचएयू से ट्रेनिंग ले हजारों महिलाएं बनीं स्वावलंबी

लोगों को स्वास्थ्य संबंधी टिप्स दे एचएयू का खाद्य एवं पोषण विभाग बना रहा आत्मनिर्भर



हिसार में महिलाओं को ट्रेनिंग देने के बाद खड़ी एचएयू के ग्रह विज्ञान विभाग की टीम।

स्वरोजगार दिलाने में अहम भूमिका निभाई जा रही है। यही नहीं लोगों के खानपान में आ रहे बदलाव को लेकर समय-समय पर विभाग के वैज्ञानिक और प्रोफेसर रिसर्च कर लोगों को बदलाव के संबंध में टिप्प देते हैं। अब वैविनार के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। एचएयू का

कुलपति ने भी खाद्य एवं पोषण विभाग की सराहना की है। दरअसल, एचएयू में वर्ष 1974 में गृह विज्ञान महाविद्यालय के अंदर ही खाद्य एवं पोषण विभाग की स्थापना की थी। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा और एचएयू का

दो उद्देश्यों पर मुख्य रूप से काम करता है विभाग

विभाग मुख्यतः दो उद्देश्यों से काम करता है, एक कम प्रचलित खाद्य पदार्थों के इस्तेमाल से पोषिक व उत्तम गुणवत्ता वाली खाद्य वस्तुएं बनाना तथा दूसरा सभी आयु वर्ग के पोषण स्तर को जानने के लिए सर्वेक्षण करना। लॉकडाउन के दौरान भी सोशल मीडिया और एसएमएस के माध्यम से लोगों तक जानकारी पहुंचाई जा रही है। प्रतिदिन व्हाट्सएप, एसएमएस कर लोगों को जागरूक किया जाता है।

बेकरी व अन्य पदार्थ बनाने की दी जाती निःशुल्क ट्रेनिंग

बीमारियों से बचाव के लिए किचन को साफ रखना भी जरूरी जिलों में टीम महिलाओं को हाईजीन के प्रति भी जागरूक करती है। किचन को साफ सुधरा रखने की अपील की जाती है। बताया जाता है कि किचन गंदा रहता है तो लोगों के अंदर भी बीमारियों को फैलने का खतरा बना रहता है।

खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता संधु का कहना है कि खान पान को लेकर पिछले 46 साल से विभाग हिसार के अलावा पानीपत, सोनीपत, भिवानी, फतेहबाद, सिरसा, गुरुग्राम, फरीदाबाद, रोहतक, कुरुक्षेत्र, चरखी दादरी, झज्जर समेत

प्रदेश के सभी जिलों के गांव और कस्बों में जाकर जागरूकता अभियान चलाता है। यही नहीं अधिक आमदनी वाले खाद्य पदार्थों को बनाने की ट्रेनिंग भी महिलाओं को दी जाती है। विभाग से ट्रेंड होकर हजारों महिलाएं खुद घर पर खाद्य पदार्थ बनाने के बाद बिक्री कर परिवार का पालन पोषण कर रही हैं। एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह का कहना है कि प्रदेश के विभिन्न जिलों के लोगों को जागरूक करने में खाद्य एवं पोषण विभाग की भूमिका अहम है। विभाग की जितनी सराहना की जाए कम है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक ।२। ९.२.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

शिक्षक वर्ग के लिए प्रासंगिक है आरंभिक प्रशिक्षण : डॉ. सिद्धपुरिया

चौधरी चरण सिंह
हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय में
नवनियुक्त वैज्ञानिकों के
लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम
आयोजित

निव्य शक्ति टाइम्स न्यूज
हिसार। वौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय में नवनियुक्त अनुसंधान,
शिक्षण व विज्ञान के शिक्षकों एवं
वैज्ञानिकों के लिए आरंभिक प्रशिक्षण शुरू
किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन
नवनियुक्त वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय के
द्वारा व गतिविधियों की जानकारी देने को
लेकर किया जा रहा है। प्रशिक्षणार्थियों को
संबोधित करते हुए मानव संसाधन प्रबंधन



निदेशक के निदेशक डॉ. एम.एम. सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक ममूदाय के लिए बहुत ही प्रासंगिक है और उम्मीद है कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशालय के संगठनात्मक मेन्ट-अप से परिचित कराया और इसके चार प्रकोशों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सभी

नियमों के बारे में दी जानकारी

सहायक निदेशक डॉ. जिरेंट भाटिया ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ व्याख्यान देते हैं, जिनमें विश्वविद्यालय के बाहर के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय के एसवीसी श्याम सुंदर शर्मा ने विश्वविद्यालय के एक एंड स्टेट्यूट्स व यात्रा भ्रमण संघर्षों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के नियमों व कानूनों के बारे में प्रत्येक कर्मचारी को जानकारी होनी चाहिए, जो पूरे सेवाकाल में काम आती है। विश्वविद्यालय में स्थापित विभिन्न कालिजों सहित अन्य संस्थानों में प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन किसी एक संस्थान का भ्रमण करवाया जाता है। इस दौरान वहाँ के संगठनात्मक द्वारे व गतिविधियों की जानकारी दी जाती है ताकि नवनियुक्त शिक्षक विश्वविद्यालय की प्रत्येक गतिविधि जो उनके सेवाकाल में काम आएगी, उससे अवगत हो सके।

नियमों, कानून, एक एंड स्टेट्यूट्स, के चलते प्रतिदिन प्रशिक्षण शुरू होने से विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक पहले प्रशिक्षण हाल को सेनेटाइज द्वारा, महाविद्यालयों के संगठनात्मक द्वारा करवाया जाता है और उनके बाद व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक सामाजिक दूरी व भास्क का विशेष व्याप जानकारी दी जाएगी। कोरोना महामारी रखा जाता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाँच बड़े

दिनांक 12-9-2021 पृष्ठ संख्या.....— कॉलम.....—

हकृति में नवनियुक्त वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

शिक्षक वर्ग के लिए प्रासंगिक है आरंभिक प्रशिक्षण : डॉ. सिद्धपुरिया

पांच बड़े व्या

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवनियुक्त अनुसंधान, प्रशिक्षण व विस्तार के शिल्पको एक वैज्ञानिकों के लिए आरंभिक प्रशिक्षण सुरक्षित किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन नवनियुक्त वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय के खाली व गतिविधियों को जानकारी देने के संबोधित करते हुए मानव संसाधन प्रबंधन विश्वविद्यालय के निदेशक हों एम एम सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समूदाय के लिए बहुत ही प्रारंभिक है और उन्होंने है कि सभी प्रतिभागी इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशक व कार्यक्रम के संगठनात्मक संट-अप से परिचत कराया और इसके बारे प्रक्रियों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों में



मफलतात्पूर्वक, पूरी लग्न और मेहनत से इस शिफ्टर कोष को पूरा करने का आव्वान किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक व कार्यक्रम की संयुक्त निदेशक डॉ. मनु महता ने बताये कि इस अर्थभक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में

विश्वविद्यालय के 21 नवनियुक्त प्रशिक्षकों को यात्राम से सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एवं ऐड स्ट्रक्चर्चर, प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी। कोरोना महामारी के चलते प्रतिविधिन प्रशिक्षण सुरक्षित सेने से पहले प्रशिक्षण हीन को सेनेटाइज करता हुआ जाता है और उसके बाद सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष अनुर रखा जाता है।

अलग-अलग छोड़ों के विशेषज्ञ देते हैं व्याख्यान

मालायक निदेशक डॉ. जितेंद्र भट्टाचार्य ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिविधि अलग-अलग छोड़ों के विशेषज्ञ व्याख्यान देते हैं, जिनमें विश्वविद्यालय के व शहर के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय के एसलैसो श्याम सुंदर शर्मा ने विश्वविद्यालय के एक एंड स्ट्रटेजिक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के नियमों व कानून कानूनों के बारे में प्रत्येक कर्मचारी को जानकारी हांगी चाहिए, जो पूरे सेवाकाल में काम आती है।

प्रतिविधि विश्वविद्यालय के एक संस्थान का कार्यालय जाता है भरपुर

विश्वविद्यालय में स्थापित विभिन्न कौलेजों सहित अन्य संस्थानों में प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिविधि किसी एक संस्थान का भ्रमण करताया जाता है। इस दौरान यहां के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों की जानकारी हांगी होती है ताकि नवनियुक्त प्रशिक्षण विश्वविद्यालय की प्रत्येक गतिविधि जो उनके सेवाकाल में काम आएगी, उसमें अवगत हो सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पल पल

दिनांक ११-९-२०२० पृष्ठ संख्या कॉलम.....

शिक्षक वर्ग के लिए प्रासंगिक है आरंभिक प्रशिक्षण : डॉ. सिद्धपुरिया

पल पल न्यजः हिसार, 11
सितम्बर। चौधरी चरण सिंह
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में
नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व
विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के
लिए आरंभिक प्रशिक्षण शुरू किया
गया। प्रशिक्षण का आयोजन
नवनियुक्त वैज्ञानिकों को
विश्वविद्यालय के ढांचे व गतिविधियों
की जानकारी देने को लेकर किया जा
रहा है। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित
करते हुए मानव संसाधन प्रबंधन
निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस.
सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण
कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए
बहुत ही प्रासादिक है और उम्मीद है
कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से
अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे।
उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशालय के



संगठनात्मक सेटअप से परिचित कराया और इसके चार प्रकोष्ठों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से सफलतापूर्वक, पूरी लगन और मेहनत से इस रिफेशर कोर्स को पूरा करने का आह्वान किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 21 नवनियुक्त शिक्षक शामिल हैं। इस प्रशिक्षण के

माध्यम से सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एकट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी। कोरोना महामारी के चलते प्रतिदिन प्रशिक्षण शुरू होने से पहले प्रशिक्षण हॉल को सेनेटाइज करवाया जाता है और उसके बाद सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष ध्यान रखा जाता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....टिप्पणी २

दिनांक ।।। १।। २०२० पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

शिक्षक वर्ग के लिए प्रासंगिक है आरंभिक प्रशिक्षण : डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया

एचएयू में नवनियुक्त वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

दृष्ट न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आरंभिक प्रशिक्षण शुरू किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन नवनियुक्त वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय के ढांचे व गतिविधियों की जानकारी देने को लेकर किया जा रहा है।

प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए बहुत ही प्रासंगिक है और उम्मीद है कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशालय के सांगठनात्मक सेट-अप से परिचित कराया और इसके चार



अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ देते हैं व्याख्यान

सहायक निदेशक डॉ. जिलेंद्र भट्टा ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ व्याख्यान देते हैं, जिनमें विश्वविद्यालय के वाहर के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय के एवंतीर्ती स्तरम् सुंदर हार्मा ने विश्वविद्यालय के एक एंड स्ट्रेट्यूट्स व यात्रा भ्रमा विद्यालय के विद्यार्थी व काल्पनिक कानूनों के बारे में प्रत्येक कर्मचारी को जानकारी होती चाहिए, जो पूरे सेवाकाल में काम आती है।

नवनियुक्त शिक्षकों को होगा फायदा

विश्वविद्यालय में स्थापित विभिन्न कार्योंको सहित उल्य संस्थाओं में प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन विभिन्न एक संस्थान का छात्रण करवाया जाता है। इस दौरान यहाँ के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों की जानकारी दी जाती है ताकि क्वान्युकूल शिक्षक विश्वविद्यालय की प्रत्येक गतिविधि जो उनके सेवाकाल में काम आएगी, उससे अवगत हो सकें।

प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया एवं उपर्युक्त प्राप्तिभागी। प्रशिक्षकों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से सफलतापूर्वक, पूरी लागत और मेहनत से इस रिफररशर कोर्स को पूरा करने का आङ्खान किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय

को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, क्रन्तुर, एक एंड स्ट्रेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी। कोरोना महामारी के चलते प्रतिदिन प्रशिक्षण शुरू होने से पहले प्रशिक्षण हाल को सेन्टाइज करवाया जाता है और उसके बाद सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष ध्यान रखा जाता है।

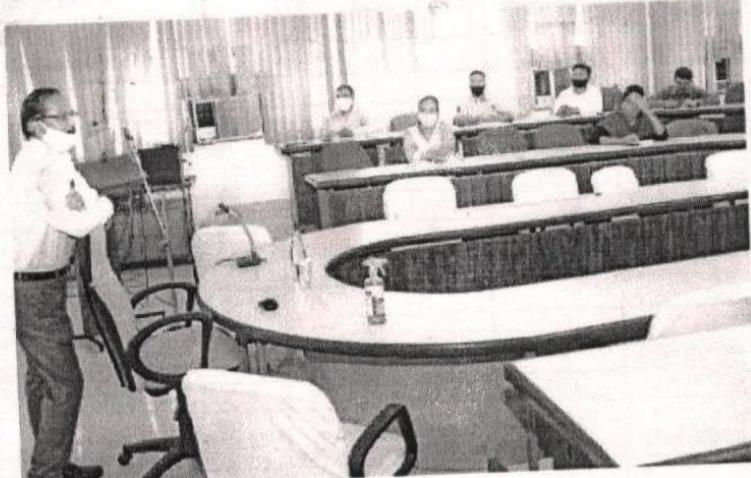


चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... नं. २५३

दिनांक ११.९.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

हकृति में नवनियुक्त शिक्षकों को प्रशिक्षण आरंभ



हिसार/११ सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के ढांचे व गतिविधियों की जानकारी देने को लेकर मैं नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आरंभिक प्रशिक्षण शुरू किया गया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिंहपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए बहुत ही प्रासंगिक है और उमीद है कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशालय के संगठनात्मक सेट, अप से परिचित कराया और इसके चार प्रकोष्ठों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से सफलतापूर्वक, पूरी लगन और मेहनत से इस रिफ़ेशर कोर्स को पूरा करने का आह्वान किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक्ट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में जानकारी दी जाएगी। व्याख्यान सहायक निदेशक डॉ. जितेंद्र भाटिया ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन अलग अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ व्याख्यान देते हैं, जिनमें विश्वविद्यालय के व बाहर के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। एसवीसी श्याम सुंदर शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय के नियमों व कायदे कानूनों के बारे में प्रत्येक कर्मचारी को जानकारी होनी चाहिए, जो पूरे सेवाकाल में काम आती है। विश्वविद्यालय में स्थापित विभिन्न कॉलेजों सहित अन्य संस्थानों में प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन किसी एक संस्थान का भ्रमण करवाया जाता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....प्राप्ति पत्र

दिनांक 12.9.2020 पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

शिक्षक वर्ग के लिए प्रासंगिक है आरंभिक प्रशिक्षण : डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 12 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आरंभिक प्रशिक्षण शुरू किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन नवनियुक्त वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय के ढांचे व गतिविधियों की जानकारी देने को लेकर किया जा रहा है। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए बहुत ही प्रासंगिक है और उम्मीद है कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशालय के संगठनात्मक सेट-अप से परिचित कराया और इसके चार



प्रकोष्ठों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से सफलतापूर्वक, पूरी लगन और मेहनत से इस रिफ्रेशर कोर्स को पूरा करने का आहवान किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 21 नवनियुक्त शिक्षक शामिल हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को

विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी। कोरोना महामारी के चलते प्रतिदिन प्रशिक्षण शुरू होने से पहले प्रशिक्षण हॉल को सेनेटाइज करवाया जाता है और उसके बाद सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष ध्यान रखा जाता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.

१५८१२ २५

दिनांक १५. ९. २०२३ पृष्ठ संख्या १ कॉलम १

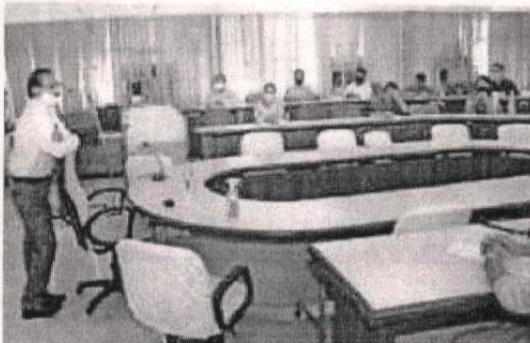
शिक्षक वर्ग के लिए प्रासंगिक है आरंभिक प्रशिक्षण : डॉ. एम.एस. सिंदूपुरिया

एचएयू में नवनियुक्त वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

टुडे न्यूज़ | लिमाइ

बांधेरी चरण सिंह हास्यमाणा नुपि
विष्वविद्यालय में नवनिनियुक्त
अनुसंदर्भान् शिक्षण व प्रैम्यारो के
शिक्षकों एवं वैदिकिनों के स्त्रि
आरंभिक प्रशिक्षण शुरू किया गया।
प्रशिक्षण का आयोजन नवनिनियुक्त
वैदिकिनों के विष्वविद्यालय के
द्वारा व गतिविधियों की जाकरारो देने
को स्वेच्छा किया जा रहा है।

प्रशिक्षणाधिकारीयों को संबोधित करते हुए मानव संसाधन प्रबल धन नियंत्रण अधिकारीयों के निदेशक डॉ. एम.एस. सिंहद्वारा ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सिवाय सम्बूद्धाम के लिए बहुत लोगों का आवंशिक है और उम्मीद है कि इस सभी जीवित पात्रों द्वारा इस काम में अधिक से अधिक लाभ उठाएगा। उन्होंने प्रशिक्षणाधिकारीयों को नियंत्रण अधिकारीयों के साठनाथाम्बक सेट-अप में पर्याप्त कलाया और उनके चाहे



प्रियकारी द्वारा को संदेश करते हैं। परंपरा, ऐतिहासिक पाल-परमिता

प्रक्षेपणों में से प्रत्येक के कारणों के दृश्य में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उनमें सभी प्रतिशतांगियों से संस्पलतापूर्वक पूरी लागत और योग्यता से इन निष्पत्ति कार्यों को पूरा करने का अध्ययन किया गया। यह अध्ययन मानव भौगोलिक धरातल नियन्त्रण

वो संस्कृत निदेशक व कार्यक्रम की संस्थाजक डॉ. मंजु महाता ने बताया कि इस आरपिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विविच्छिन्नतय के 21 नवीन-प्रयुक्ति प्रशिक्षक शामिल हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम में मध्ये प्रतिभासियों

अलग-अलग दोओं के विशेषज्ञ देते हैं व्याख्यान

નવનિવૃપત પ્રિક્ષણો કો હેઠા ફાયદ

प्रियतीर्थज्ञान में उन्होंने दिव्यांशु को अपनी स्टैण्ड बनाकर स्टेटमेंट में प्रसिद्ध करकीर्ति का प्रतीक्षित फैलाएँ एक स्टेटमेंट का ध्वनि करकराया जाता है। इस बीच वह यह के लोगोंका भक्त द्वारा ए अर्जीतीर्थियों दी जाती है ताकि व्यापक विस्तृत विवरण दिखाविलक्षण की प्रतीक्षा लीजिएगी जो उनके लेकरकाल ने बाज़ आयी थीं, उन्होंने अवश्य हो रखी।

को विषयविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून एवं एहं स्टेटट्यूट्स, विषयविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, मानविकासयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के ढांचे में विस्तारपूर्वक जानकारी नी जाएगी। जोड़ेना महान्दारी के सदनों प्रतिदिन प्राशासन शुल्क होने से पहले प्रशासन हाल को संसदाद्वारा करवाया जाता है और उसके बाद सामाजिक दृष्टि सामनक का विशेष ध्यान रखा जाता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... जगमार्ग.....

दिनांक 1.९.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

रिक्तक वर्ग के लिए प्रासादिक आर्थिक प्रशिक्षण : डॉ. सिद्धपुरिया

⇒ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
में नवनियुक्त वैज्ञानिकों
के लिए प्रशिक्षण
कार्यक्रम आयोजित

जगमार्ग चूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आर्थिक प्रशिक्षण शुरू किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन नवनियुक्त वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय के ढांचे व गतिविधियों की जानकारी देने को लेकर किया जा रहा है। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए बहुत ही प्रासादिक है और उम्मीद है कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ

उठाएंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशालय के संगठनात्मक सेट-अप से परिचित कराया और इसके चार प्रकोष्ठों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से सफलतापूर्वक, पूरी लगन और मेहनत से इस रिफेशर कोर्स को पूरा करने का आह्वान किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस आर्थिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 21 नवनियुक्त शिक्षक शामिल हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक्ट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सिंटी प्रैस

दिनांक 12. 9. 2020 पृष्ठ संख्या.....— कॉलम.....—

एचएयू में 543 परीक्षार्थियों ने दी स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश परीक्षा

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को बोर्डिंग साइड की पी.एच.डी. में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का तीसरा चरण आयोजित किया। प्रवेश परीक्षा में 543 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाना है, जिसका तीसरा चरण 12 सितंबर को आयोजित किया गया। कुलसंचिव डॉ. चौ.आर. कंबोज ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि



हिसार। परीक्षा केंद्रों के बाहर परीक्षार्थियों को थप्पल स्क्रीनिंग करते और हाथ सैनेटाइज करवाते कर्मचारी। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सैनेटाइज कराया गया था और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
पाँच बड़े

दिनांक 12.9.2020 पृष्ठ संख्या.....
कॉलम.....

स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. प्रोग्रामों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का अंतिम चरण 16 को

एचएयू में 543 परीक्षार्थियों ने दी स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश परीक्षा, 337 रहे अनुपस्थित

पांच बड़े व्याप

हिसार। नौभरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को अंतिम सहस्र से पौरी दो दिनों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का संसाधन घोषणा आयोजित किया। प्रवेश परीक्षा में 543 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षार्थी को चार बजाएं में आयोजित किया जाना है, विस्तका तीसरा ब्राह्म 12 मिनटवर को आयोजित किया गया। यह जानकारी देख हुए विश्वविद्यालय के कुलसंचय द्वा. श्री अ.आ. कक्षाज ने घोषणा कि स्नातकोत्तर काल्पनिकों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है। उन्होंने घोषणा कि सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइक कराया गया था और सामाजिक दूरी व भास्कर का भी विशेष ध्यान रखा गया है। परीक्षा सुबह 10 बजाक 30 मिनट से दोपहर 12 बजाकर 30 मिनट तक आयोजित की गई।

परीक्षाओं पर पड़ सके कोरोना का असर, विद्यार्थियों की संख्या रही कम



परीक्षा नियंत्रक डॉ. एम.के. पाठुजा ने घोषणा की कि विद्यार्थियों को संख्या पर भी पड़ रहा है। इन परीक्षार्थियों को संख्या पर भी पड़ रहा है। इन आयोजित प्रवेश परीक्षा में 880 उम्मीदवारों को परीक्षाओं के लिए बुल 3448 ने विद्यार्थियों ने शामिल होना था, जबकि 543 उम्मीदवारों को अनलाइन आयोजन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर शामिल ही था। केंद्र व राज्य सरकार की जारी हुए परीक्षा केंद्र के बाहर भीड़ एकत्रित नहीं होने दी गई। परीक्षा केंद्र के अंदर पेन व एडमिट कार्ड के सहायता अन्य किसी प्रकार की चाहुं आदि वस्तुओं को ले जाने की मनाई थी गई। विश्वविद्यालय के कुलसंचय प्रोफेसर मयर मिस व चूकवाली गुरु विद्यालय मानविकालय और भौतिक विद्यालय एवं मानविकी महाविद्यालय आयोजित किया जाएगा। इन चार केंद्रों पर 41 कमर जिनमें हाई भी शामिल हैं, विद्यार्थित किए गए ये ताकि सामाजिक दूरी व सेनेटाइजेशन को पूरी तरह से पालन की जा सके।

सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मासक का विशेष ध्यान

इन परीक्षाओं को शामिलपूर्वक दोग से संपत्र करताना सभी हिदायतों को पालन करते हुए विश्वविद्यालय की ओर से शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों को दूरीटया लगाई गई। परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पूर्व परीक्षार्थियों ने नए यात्रा उपलब्ध करवाए थे। कोरोना महामारी को देखते हुए परीक्षा भवन में जाने से पूर्व प्रवेश उम्मीदवारों की वर्षेन स्क्रीनिंग करते हुए उनके हाथ सेनेटाइक करवाए गए। सामाजिक दूरी का विशेष ध्यान रखते हुए परीक्षा केंद्र के बाहर भीड़ एकत्रित नहीं होने दी गई। परीक्षा केंद्र के अंदर पेन व एडमिट कार्ड के सहायता अन्य किसी प्रकार की चाहुं आदि वस्तुओं को ले जाने की मनाई थी गई। विश्वविद्यालय के कुलसंचय प्रोफेसर मयर मिस व चूकवाली गुरु विद्यालय एवं मानविकी महाविद्यालय आयोजित किया जाएगा। इन चार केंद्रों का दैरा करते हुए चल रही परीक्षार्थी का जापना लिया और इयूटी कर्मचारियों को शांतिपूर्वक परीक्षा कराने की अपील की।

परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितम्बर को स्नातकोत्तर अधिकारी प्रोफेसर अशा छात्रों ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से जारी परीक्षा की विधियों अनुसार 6 सितम्बर, 9 सितम्बर व 12 सितम्बर को लौटी चरणों में परीक्षाएं संपन्न हो चुकी हैं। स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. की परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितम्बर को होता। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अधिकार्यों से अपील की है कि वे आपके व शाकोत्तर कार्यक्रमों में वाड़िया संबंधी अन्य नवानिमत जानकारीयों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट admissions.hau.ac.in and hau.ac.in पर चेक करते हों।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

जगता आरो

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक 12.9.2020 पृष्ठ संख्या.....— कॉलम.....—

एवं जाना

सातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्रामों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा 16 को

543 परीक्षार्थियों ने दी सातकोत्तर के लिए प्रवेश परीक्षा

जगता आरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को वेमिक साइम की पी.एच.डी. में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का तीमर चरण आयोजित किया। प्रवेश परीक्षा में 543 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाना है, जिसका तीमर चरण 12 सितंबर को आयोजित किया गया।

कुलस्थिति डॉ. बी.आर. कंदोज ने बताया कि सातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य मरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मध्ये परीक्षा केंद्रों



हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के दौतान विश्वविद्यालय के कुलपती प्रौ. रमेश सिंह परीक्षा के लिए हाल ही में रखाते हुए।

को परीक्षा से पहले मेनेटाइज कराया गया था और मामाजिक दूरी व भास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया है।

परीक्षा मुख्य 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक आयोजित की गई। परीक्षाओं पर पढ़ रहा कोरोना का असर, विद्यार्थियों की संख्या रही कम परीक्षा नियंत्रक डॉ. एम.के.

पाहुजा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते इसका भीष्म असर परीक्षार्थियों की संख्या पर भी पड़ रहा है। इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 ने विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें सातकोत्तर व पी.एच.डी. के कोर्स शामिल हैं। परीक्षा के तीमर चरण में वेमिक साइम की पी.एच.डी. के लिए

आयोजित प्रवेश परीक्षा में 880 उम्मीदवारों को शामिल होना था, जबकि 543 उम्मीदवार ही शामिल हो पाए। केंद्र व राज्य मरकार की जारी हिदायतों को ध्यान में रखते हुए इन परीक्षाओं को आयोजित करवाने के लिए चार परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें कृषि महाविद्यालय, कृषि अधियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय, इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय और मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय शामिल हैं।

इन चार केंद्रों पर 41 कमरे जिनमें हाल भी शामिल हैं, नियंत्रित किए गए थे ताकि मामाजिक दूरी व मेनेटाइजेशन की पूरी तरह से प्राप्तना की जा सके। सातकोत्तर व पी.एच.डी. की परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितंबर को होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

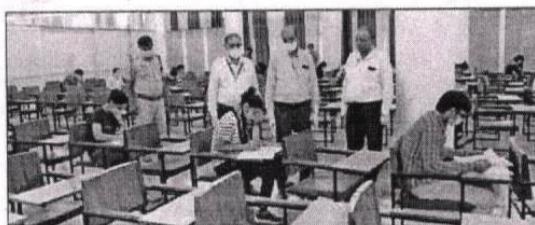
दिनांक 1.३.१२.२०२० पृष्ठ संख्या कॉलम

नित्य दूरी कैफ़ित २०२०

एचएयू में 543 परीक्षार्थियों ने दी स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश परीक्षा

स्नातकोत्तर व
पीएचडी प्रोग्रामों में
दाखिले के लिए प्रवेश
परीक्षा का अंतिम
चरण 16 को

नियंत्रित दृष्टिमन्त्र द्वारा
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को
बैसिक माइंस की पी.एच.डी. में दाखिले
के लिए प्रवेश परीक्षा का तीसरा चरण
आयोजित किया। प्रवेश परीक्षा में 543
परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337
परीक्षार्थी अनुपर्याप्त रहे। विश्वविद्यालय
प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार
चरणों में आयोजित किया जाना है, जिसका
तीसरा चरण 12 सितंबर को आयोजित
किया गया। यह जानकारी देते हुए
विश्वविद्यालय के कूलसचिव डॉ. बी.आर.
कंबोज ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों



में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन
कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य
सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन
करते हुए किया जा रहा है। उन्होंने बताया
कि सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले
सेनेटाइज कराया गया था और सामाजिक
दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया
है। परीक्षा मुख्य 10 बजकर 30 मिनट से
दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक
आयोजित की गई।

परीक्षाओं पर पड़ रहा कोरोना
का असर, विद्यार्थियों की संख्या
रही कम : परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के.

पाहुंचा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते इसका सीधा असर परीक्षार्थियों की संख्या पर भी पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षार्थियों के लिए कुल 3448 ने विद्यार्थियों ने अनिलाइन आयोजन किया था, जिनमें आतकोत्तर व पी.एच.डी. के कोर्स शामिल हैं। परीक्षा के तीसरे चरण में बैसिक माइंस की पी.एच.डी. के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 880 उम्मीदवारों को शामिल होना था, जबकि 543 उम्मीदवार ही शामिल होंगे। केंद्र व राज्य सरकार की जारी हिदायतों को ध्यान में रखते हुए इन परीक्षाओं को आयोजित करवाने के लिए

सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान

इन परीक्षाओं को शांतिपूर्वक होना से संपन्न करवाने व सभी हिदायतों की पालना करते हुए विश्वविद्यालय की ओर से शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों की इश्वरियां लगाई गईं। परीक्षा केंद्रों में प्रवेश से पूर्व परीक्षार्थियों को नए मास्क उपलब्ध करवाए गए। कोरोना महामारी को देखते हुए परीक्षा भवन में जाने से पूर्व प्रत्येक उम्मीदवार की धर्मल स्कैनिंग करते हुए उनके साथ सेनेटाइज करवाए गए। सामाजिक दूरी का विशेष ध्यान रखते हुए परीक्षा केंद्र के बाहर भी एकत्रित नहीं होने दी गई। परीक्षा केंद्र के अंदर पेन व एडमिट कार्ड के अलावा अन्य किसी प्रकार की धातु आदि वस्तुओं को ले जाने की मनाही की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कूलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए चल रही परीक्षाओं का जायजा लिया और इव्हेंट कर्मचारियों को शांतिपूर्वक परीक्षा करवाने की अपील की।

चार परीक्षा केंद्र बाहर गए थे, जिनमें कृषि महाविद्यालय, कृषि अधियाक्षिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय, इंदिरा चक्रवर्ती विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय शामिल हैं। इन चार केंद्रों पर 41 कमरे जिनमें हैं भी शामिल हैं, जिनमें नियंत्रित किए गए थे ताकि सामाजिक दूरी व सेनेटाइजेशन को पूरी तरह से पालन की जा सके।

परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितंबर को : स्नातकोत्तर अधिकारी सितंबर विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय शामिल होने वाला था, जबकि 543 उम्मीदवार ही शामिल होंगे। जबकि 543 उम्मीदवार ही शामिल होंगे, जिनमें नियंत्रित किए गए थे ताकि सामाजिक दूरी व सेनेटाइजेशन को पूरी 16 सितंबर को होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

सन्प कुड़ी

दिनांक १३-९-२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

एवेएयू

स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. प्रोग्रामों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का अंतिम चरण 16 को

543 परीक्षार्थियों ने दी स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश परीक्षा

सच कहूं/संदीप सिंहमार
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को वेसिक साईंस की पी.एच.डी. में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का तीसरा चरण आयोजित किया। प्रवेश परीक्षा में 543 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337 परीक्षार्थी अनुपर्याप्त रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन को और से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाना है, जिसका तीसरा चरण 12 सितंबर को आयोजित किया गया। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. वी.आर. कंबोज ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना परीक्षाओं पर पड़ रहा कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य का असर, विद्यार्थियों की संख्या रही कम परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि कोरोना महामारी को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया के चलते इसका सीधा असर परीक्षार्थियों की संख्या पर भी पड़



का भी विशेष ध्यान रखा गया है। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक आयोजित की गई। परीक्षाओं पर पड़ रहा कोरोना महामारी के चलते इसका व राज्य का असर, विद्यार्थियों की संख्या रही कम परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि कोरोना महामारी को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया के चलते इसका सीधा असर परीक्षार्थियों की संख्या पर भी पड़

रहा है। इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 ने विद्यार्थियों ने 3 अंगताइन अवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. के कोर्स शामिल हैं। परीक्षा के तीसरे चरण में वेसिक साईंस की पी.एच.डी. के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 880 उम्मीदवारों को शामिल होना था, जबकि 543 उम्मीदवार तो शामिल हुए। केंद्र व राज्य सरकार को जारी किया गया तो क्षमता की सीधी वेसिक साईंस की पी.एच.डी. के लिए चार परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय, इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय और योगितक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय केंद्र के बाहर भी एकत्रित नहीं होने दी गई। परीक्षा केंद्र के अंदर ऐन व एडमिट कार्ड के अलावा अन्य किसी प्रकार की भाँतु अदिवस्तुओं को ने जाने की मानाई की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कृष्णसचिव डॉ. वी.आर. कंबोज

पूरी तरह से पालना की जा सके।

सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व

मास्क का विशेष ध्यान

इन परीक्षाओं को शातिष्ठिक ढंग से

संपन्न करवाने व सभी हिदायतों की

पालना करते हुए विश्वविद्यालय की

ओर से शिक्षक व गैर शिक्षक

कर्मचारियों की इमूटियां लागू गई।

परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पूर्व

परीक्षार्थियों को नए यात्रा तालिके

करवाया गए। कोरोना महामारी के

देखते हुए, परीक्षा भवन में जाने से

पूर्व प्रत्येक उम्मीदवार को घर्मल

रक्केनिंग करते हुए उनके हाथ

सेनेटाइज करवाए गए। सामाजिक

दूरी का विशेष ध्यान रखने हुए परीक्षा

केंद्र के बाहर भी एकत्रित नहीं होने

दी गई। परीक्षा केंद्र के अंदर ऐन व

एडमिट कार्ड के अलावा अन्य किसी

उम्मीदवारों व उनके अधिकारियों से

अपील की गई है कि वे स्नातक व

स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिला

संबंधी अन्य नवीनतम् जानकारियों

के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट

admissions.hau.ac.in

and hau.ac.in पर चेक

सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों

ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते

हुए चल रही परीक्षाओं का

जायजा लिया और इयूटी

कर्मचारियों को शातिष्ठिक परीक्षा

करवाने की अपील की।

परीक्षाओं का अंतिम चरण 16

सितंबर, 9 सितंबर व 12 सितंबर

को तीसरा चरण में परीक्षा संपन्न हो

चुकी है। स्नातकोत्तर व पी.एच.डी.

की परीक्षाओं का अंतिम चरण 16

सितंबर को होगा। उन्हें

उम्मीदवारों व उनके अधिकारियों से

अपील की गई है कि वे स्नातक व

स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिला

संबंधी अन्य नवीनतम् जानकारियों

के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट

admissions.hau.ac.in

and hau.ac.in पर चेक

सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों

के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट

admissions.hau.ac.in

and hau.ac.in पर चेक

सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों

के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट

admissions.hau.ac.in

and hau.ac.in पर चेक

सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

हैलो हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक 13.9.2020 पृष्ठ संख्या कॉलम.....

एचएयू में 543 परीक्षार्थियों ने दी स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश परीक्षा

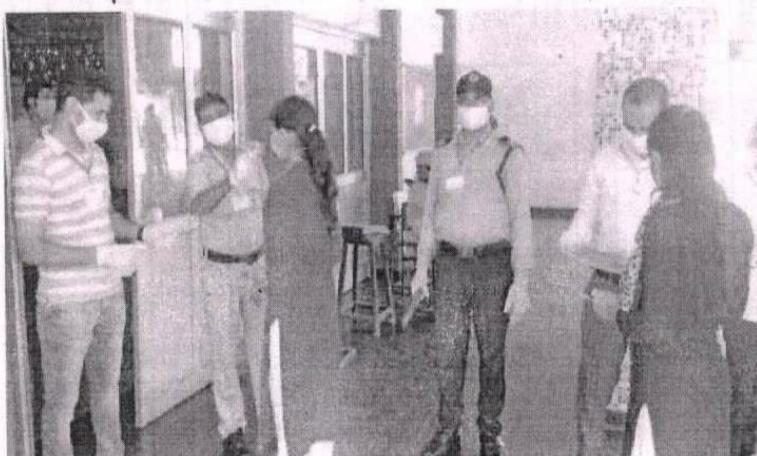
हैलो हिसार न्यूज़

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को बेसिक साइंस की पी.एच.डी. में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का तीसरा

सितंबर को आयोजित किया गया।

यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना

महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है। उन्होंने



चरण आयोजित किया। प्रवेश परीक्षा में 543 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाना है, जिसका तीसरा चरण 12

बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया था और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया है। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक आयोजित की गई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

नित्य भौम २५८

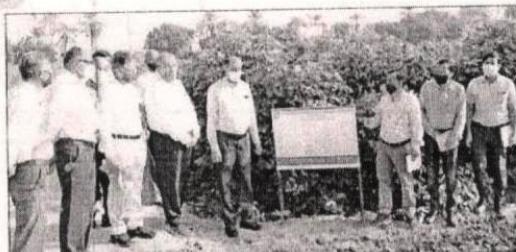
दिनांक ।.३.-१.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

किसानों की समस्या को ध्यान में रखकर करें अनुसंधान : प्रो. समर सिंह

एचएयू कुलपति ने
विश्वविद्यालय के
अनुसंधान बोर्ड का
किया दौरा

नित्य शब्दिटाइम्स न्यूज
हिसार। गौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह
ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास व
दलहन अनुभाग द्वारा कर फसल की
मौजूदा स्थिति और अनुसंधान कार्यों का
जायजा लिया।

गौरतलव है कि यहांमान में प्रदेश के
कई इलाकों में किसानों की नरसा कपास
की फसल को नुकसान हुआ है। किसानों
की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए
विश्वविद्यालय के कुलपति ने
विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में खोड़े
गई कपास की विभिन्न किसीं की फसल
का जायजा लिया और वैज्ञानिकों से



विचार-विमर्श किया। उन्होंने कपास किसानों को मौजूदा समस्याओं को ध्यान

अनुभाग के वैज्ञानिकों में बातचीत करते

में रखकर शोध कार्य करें।

हुए कहा कि किसान व कृषि वैज्ञानिक

एक मिछं के दो पहल हैं। हमारे

व्यावजूद आर्थिक नुकसान नहीं :

विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य किसानों

के लिए फसलों की नई-नई किसीं

कपास अनुभाग में योई गई नरसा की

विकासित करना और आधुनिक तकनीकों

प्रदान करना है ताकि किसान की परिस्थिति

में नियंत्रित बढ़ोत्तरी हो। उन्होंने वैज्ञानिकों

का उपकोष्ठी होने के बावजूद

फसल में आर्थिक नुकसान नहीं है। यह

द्वारा इस श्रेत्र में किए जा रहे शोध कार्यों

को समर्पण करते हुए कहा कि वे

सामिक्षण कृषि प्रबंधन का हो नहीं जायजा है।

किसान भी सिफारिश किए गए
रसायनों का ही प्रयोग करें

कुलपति ने कहा कि किसान अपनी फसलों पर विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों
द्वारा सिफारिश किए गए कौटनाशकों का ही प्रयोग करें। किसी के बहकावे में आकर
या एक-दूसरे की होइ करते हुए फसल पर कौटनाशकों का छिड रोक न करें।
विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दौरे के अवसर पर आनुवांशिकी
एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. अबद्ध महित संबोधित अनुभागों के
वैज्ञानिक मीजूद थे।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म में योई उपयोग हो सकेगा। अनुसंधान निदेशक
द्वारा एस.के. महाविद्यालय ने बताया कि कपास की फसल में जड़ गलत बीमारी का
प्रकोप बढ़ रहा है और इसके समाधान के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हासंभव
प्रयासरत है और उनकी शोध जारी है। जल्द ही महाविद्यालय के अनुसंधान अनेक विभिन्न
कार्यालयों के द्वारा अनुसंधान निदेशक द्वारा दिए गए कपास की विभिन्न किसीं के
फसल पर यकृत नियंत्रित करने के लिए विभिन्न विधियां विकासित की जाएं और उन्हें जल्द ही
प्रयोग के लिए योग्य कराया जाए। इससे पानी की बचत एवं जल्द ही अनुसंधान मिल सकें। इससे पानी की बचत
के अन्य फलों के लिए लेकर चल रहे
शोध कार्यों का जायजा लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

—पांच बजे—

दिनांक ।.३.९.२०२० पृष्ठ संख्या — कॉलम —

किसानों की समस्या को ध्यान में रखकर करें अनुसंधान : प्रोफेसर

एचएयू कुलपति ने किया
विश्वविद्यालय के अनुसंधान
क्षेत्र का दौरा

पांच बजे

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. समर सिंह ने शनिवार के विश्वविद्यालय के कपास व दालहन अनुभागों का दौरा कर फसलों को मीजटा खींचते और अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया। औरतन्त्र ने कि कपास में प्रदैश के कई इलाकों से किसानों की नमस्कारों को फसल को तुकसान हुआ है। किसानों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में आई गई कपास की विभिन्न किस्मों को फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श किया। उन्होंने कपास अनुभाग के



वैज्ञानिकों से बातचीत करते हुए कहा कि किसान व कृषि वैज्ञानिक एक सिलंकर के दो घहल हैं। हमारे विश्वविद्यालय का मूल्य उद्देश्य किसानों के लिए फसलों की नई-नई किस्में विकसित करना और आधुनिक तकनीकों प्रदान करना है ताकि किसान को

पैदावार में निरंतर बढ़ावारी हो। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे शोध कार्यों की समर्पण करते हुए कहा कि ये किसानों की मीजटा समस्याओं का ध्यान में रखकर शोध करें। सफेद मक्कड़ी के प्रक्रोप के बाबजूद

आर्थिक नुकसान नहीं

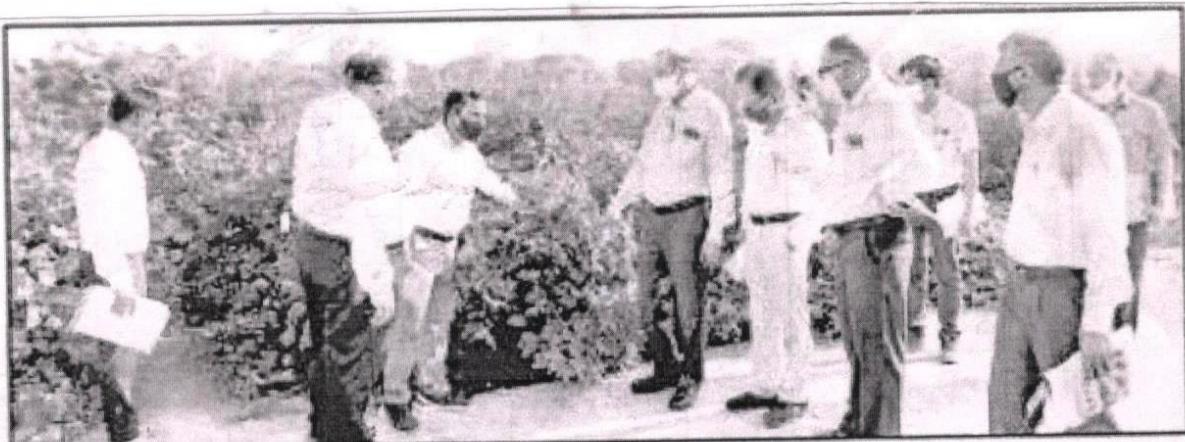
वैज्ञानिकों ने बताया कि कपास अनुभाग में बोई गई नमस्कारों को फसल पर संरक्षित करना व अन्य आमारियों का प्रक्रोप होने के बाबजूद फसल में आर्थिक नुकसान नहीं है। यह नमस्कारों में डाचरा समय पर बिजाई व समर्वित कृषि प्रबन्धन का ही नीतीजा है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म में बोई गई नमस्कारों की फसल में सिस्फारिश किए गए कौटनाशकों का ही प्रयोग किया गया है। कुलपति ने कपास अनुभाग में सुसम सिवानंद तकनीक द्वारा बोई गई कपास की किस्मों का भी जायजा लिया और कहा कि इस तकनीक को इस प्रकार से विकसित करें ताकि पानी, खाद व अन्य पापक तत्व भी पोषण को जहरत के अनुसार मिल सके। इससे पानी की बचत व सांखक तत्वों का पोषण द्वारा उचित उपयोग हो

सकेगा। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहयोग ने बताया कि कपास की फसल में जड़ गत्तन शीमारी का प्रक्रोप बढ़ रहा है और इसके समाधान के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हस्तमैथर्य प्रयासरत है और उनकी शोध जारी है। जल्द ही सक्रियात्वक परिणाम आने चाहते हैं। इस दौरान लहरन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र का दौरा का भी भूग. उद्योग व अन्य दलहनों को फसलों को लेकर चल रहे शोध कार्यों का जायजा लिया। कुलपति ने कहा कि किसान अपनी फसलों पर विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सिस्फारिश किए गए कौटनाशकों का ही प्रयोग करें। किसी के बाबकाल में आकर या एक-दूसरे को होड़ करते हुए फसल पर कौटनाशकों का छिपावाल न करें। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. समर सिंह के दौरे के अवसर पर आनुवाचिकों द्वारा पोषण उपयोग के अध्ययन डॉ. एके शाब्द भूत सम्बंधित अनुभागों के वैज्ञानिक मीजट थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब के सभी फैलो
दिनांक 12-9-2020 पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....



हिसार : नरमा कपास के खेतों का दौरा करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह। (छाया : राज पराशर)

किसानों की समस्या को ध्यान में रखकर करें अनुसंधान : प्रो. समर सिंह

एवं एवं कुलपति ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान क्षेत्र का किया दौरा

हिसार, 12 सितम्बर (राज पराशर) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास व दलहन अनुभागों का दौरा कर फसल की मौजूदा स्थिति और अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया। गौरतलब है कि कर्तमान में प्रदेश के कई इलाकों में किसानों की नरमा कपास की फसल को नुकसान हुआ है। किसानों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई कपास की विभिन्न किस्मों की फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य किसानों के लिए फसलों की नई-नई किस्में विकसित करना और आधुनिक तकनीकें प्रदान करना है ताकि

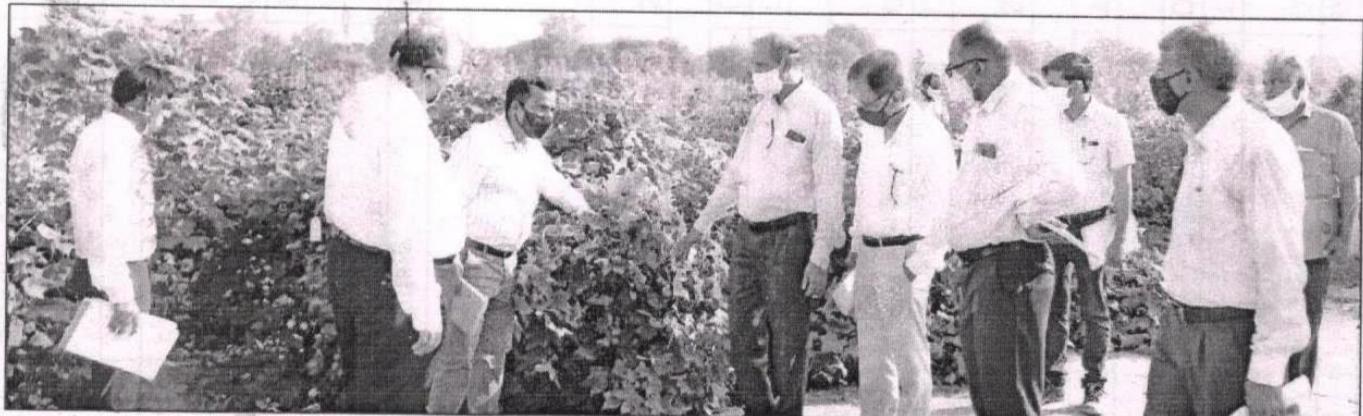


चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पल.....पल.....

दिनांक 12.9.2020 पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

किसानों की समस्या को ध्यान में रखकर करें अनुसंधानः प्रो. समर सिंह



पल पल न्यूज़: हिसार, 12 सितम्बर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास व दलहन अनुभागों का दौरा कर फसल की मौजूदा स्थिति और अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया। गैरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश के कई इलाकों में किसानों की नरमा कपास की फसल को नुकसान हुआ है। किसानों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति ने

विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई कपास की विभिन्न किस्मों की फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श किया। उन्होंने कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों से बातचीत करते हुए कहा कि किसान व कृषि वैज्ञानिक एक सिक्के के दो पहलू हैं। हमारे विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य किसानों के लिए फसलों की नई-नई किस्में विकसित करना और आधुनिक तकनीकें प्रदान करना है ताकि किसान की पैदावार में निरंतर बढ़ोतरी हो।

उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे किसानों की मौजूदा समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध कार्य करें। वैज्ञानिकों ने बताया कि विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई नरमा की फसल पर सफेद मक्खी व अन्य बीमारियों का प्रकोप होने के बावजूद फसल में आर्थिक नुकसान नहीं है। यह सब कपास में उचित समय पर बिजाई व समन्वित कृषि प्रबंधन का ही नतीजा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

हैलो दिल्ली

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक 13. 9. 2020 पृष्ठ संख्या..... ← कॉलम..... →

किसानों की समस्या को ध्यान में रखकर करें अनुसंधान : प्रोफेसर समर सिंह

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास व दलहन अनुभागों का दौरा कर फसल की मौजूदा स्थिति

एचएयू कुलपति ने
विश्वविद्यालय के अनुसंधान
क्षेत्र का किया दौरा

और अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया। गौरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश के कई इलाकों में किसानों की नरमा कपास की फसल को नुकसान हुआ है। किसानों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग

में बोई गई कपास की विभिन्न किस्मों की फसल का जायजा

में निरंतर बढ़ोतरी हो। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र में किए जा



लिया और वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श किया। उन्होंने कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों से बातचीत करते हुए कहा कि किसान व कृषि वैज्ञानिक एक सिक्के के दो पहलू हैं। हमारे विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य किसानों के लिए फसलों की नई-नई किस्में विकसित करना और आधुनिक तकनीकें प्रदान करना है ताकि किसान की पैदावार

रहे शोध कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे किसानों की मौजूदा समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध कार्य करें। वैज्ञानिकों ने बताया कि विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई नरमा की फसल पर सफेद मक्खी व अन्य बीमारियों का प्रकोप होने के बावजूद फसल में आर्थिक नुकसान नहीं है।



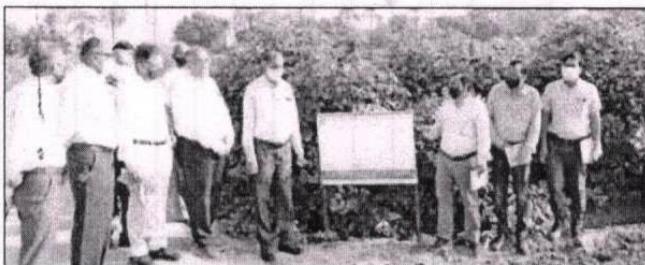
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सन्तुष्टि.....

दिनांक 13.9.2020 पृष्ठ संख्या.....— कॉलम.....

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति ने कपास व दलहन अनुभागों का लिया जायजा
किसानों की समस्या को ध्यान में रखकर करें अनुसंधान : प्रो. सिंह

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास व दलहन अनुभागों का दौरा कर फसल की मौजूदा स्थिति और अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया। गैरतलब है कि वर्तमान में प्रटेशु के कई इलाकों में किसानों की नरमा कपास की फसल को नुकसान हुआ है। किसानों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई कपास की विभिन्न किस्मों की फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श किया। उन्होंने कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों से बातचीत करते हुए कहा कि किसान व कृषि वैज्ञानिक एक सिवके के दो पहलू हैं। हमारे



विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य किसानों के लिए फसलों की नई-नई किस्में विकसित करना और आधुनिक तकनीकें प्रदान करना है ताकि किसान की पैदावार में निरंतर बढ़ोत्तरी हो। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे किसानों की मौजूदा समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध कार्य करें। सफेद मक्खी के प्रकोप के बावजूद आर्थिक नुकसान नहीं वैज्ञानिकों ने बताया कि

विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई नरमा की फसल पर सफेद मक्खी व अन्य बीमारियों का प्रकोप होने के बावजूद फसल में अर्थिक नुकसान नहीं है। यह सब कपास में उचित समय पर बिजाइ व समन्वित कृषि प्रबंधन का ही नतीजा है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म में बोई गई नरमा की फसल में सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग किया गया है। कुलपति ने कपास अनुभाग में सूक्ष्म सिंचाई तकनीक द्वारा बोई गई कपास की किस्मों का

भी जायजा लिया और कहा कि इस तकनीक को इस प्रकार से विकसित करें ताकि पानी, खाद व अन्य पोषक तत्व भी पौधे को जरूरत के अनुसार मिल सकें। इससे पानी की बचत व पोषक तत्वों का पौधे द्वारा उचित उपयोग हो सकेगा।

किसान भी सिफारिश किए गए रसायनों का ही प्रयोग करें

कुलपति ने कहा कि किसान अपनी फसलों पर विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। किसी के बहकावे में आकर या एक-दूसरे की होड़ करते हुए फसल पर कीटनाशकों का छिड़काव न करें। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दौरे के अवसर पर अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. छाबड़ा सहित संबंधित अनुभागों के वैज्ञानिक मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

ट्रिप्पल ट्रैक्टर

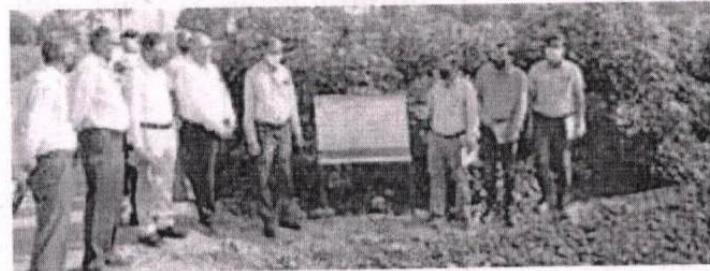
समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक 14.9.2020 पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

किसानों की समस्या को ध्यान में रख कर करें अनुसंधान : प्रो. समर सिंह

एचएयू कुलपति ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान क्षेत्र का किया दौरा

ट्रैन न्यूज | हिसार



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास व दलहन अनुभागों का दौरा कर फसल की मौजूदा स्थिति और अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया। गैरतत्त्व है कि वर्तमान में प्रदेश के कई इलाकों में किसानों की नरमा कपास की फसल को नुकसान हुआ है।

किसानों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई कपास की विभिन्न किस्मों की फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श किया। उन्होंने कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों से बातचीत करते हुए कहा कि किसान व कृषि वैज्ञानिक एक सिक्के के दो पहलू हैं। हमारे विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य किसानों के लिए फसलों की नई-नई किस्में विकसित करना और आधुनिक तकनीकें प्रदान करना है ताकि किसान की पैदावार में निरंतर बढ़ोतारी हो। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे किसानों की मौजूदा समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध कार्य करें। वैज्ञानिकों ने बताया कि विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई नरमा की फसल

विश्वविद्यालय के नरमा कपास के खेतों के दौरे के दौरान कृषि वैज्ञानिकों से बातचीत करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व उपरिस्थित विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व अन्य।

कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग हो
कुलपति ने कहा कि किसान अपनी फसलों पर विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। किसी के बहकावे में आकर या एक-दूसरे की होड़ करते हुए फसल पर कीटनाशकों का छिड़काव न करें। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दौरे के अवसर पर आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. छाबड़ा सहित संबंधित अनुभागों के वैज्ञानिक मौजूद थे।

पर सफेद मक्खी व अन्य बीमारियों का प्रकोप होने के बावजूद फसल में आर्थिक नुकसान नहीं है। यह सब कपास में उचित समय पर बिजाई व समन्वित कृषि प्रबन्धन का ही नतीजा है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म में बोई गई नरमा की फसल में सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग किया गया है। कुलपति ने कपास अनुभाग में सूक्ष्म सिंचाई तकनीक द्वारा बोई गई कपास की किस्मों का भी जायजा लिया और कहा कि इस तकनीक को इस प्रकार से विकसित करें ताकि पानी, खाद व अन्य पोषक तत्व भी पौधे को जरूरत के अनुसार मिल सकें। इससे पानी की बचत व पोषक तत्वों का पौधे द्वारा उचित उपयोग हो सकेगा। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि कपास की फसल में जड़ गलन बीमारी का प्रकोप बढ़ रहा है और इसके समाधान के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हरसंभव प्रयासरत हैं और उनकी शोध जारी है। जल्द ही सकारात्मक परिणाम आने वाले हैं। इस दौरान दलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र का दौरा कर मूँग, उड्ड व अन्य दलहनी फसलों को लेकर चल रहे शोध कार्यों का जायजा लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पा॒टु॒ पा॒ठ

दिनांक 1३. १. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

एवायू के अधूरे प्रोजेक्ट्स पकड़ेंगे रपतार, सरकार से मिला सौ करोड़ रूपए का अनुदान

प्राथमिकता से पूरे करें सेवानिवृत्त कर्मचारियों के काम - प्रो. समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 13 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अभी तक पैसे के अभाव में अधूरे पड़े प्रोजेक्ट और अन्य अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियां नहीं रुकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेचूटी, लीब इनकैशमेंट, सीबीपी आदि की पेंसेंट भी कर जल्द कर दी जाएगी। इसके लिए हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को लगभग सौ करोड़ रूपये (98.27 करोड़ रूपये) की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। यह राशि विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से प्रतिवर्ष चार तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की अनुदान राशि

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नहीं हो कोई परेशानी-कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशानिर्देश दिए हैं कि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी कामों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। इसके लिए उन्हें दर-दर नहीं भटकना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय को शिखर पर ले जाने में अपना अहम योगदान दिया है। इसलिए उनके पेंशन, ग्रेचूटी, लीब इनकैशमेंट व मेडिकल संबंधी किसी भी प्रकार के कार्यों में देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से दूसरी तिमाही के लिए लगभग सौ करोड़ रूपए की अनुदान राशि मिल चुकी है। इसलिए सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंडिंग पड़ी सभी पेंसेंट का जल्द से जल्द कर दिया जाना चाहिए।



अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व वह कोरोना महामारी व कुछ अन्य प्रशासनिक कारणों से जारी नहीं हो सकी थी। इसकी वजह से विश्वविद्यालय के कई प्रोजेक्ट अधर में लटके हुए थे और निर्माण,

अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों पर भी पैसे के अभाव में विपरीत असर पड़ रहा था। उन्होंने बताया कि अब हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से यह अनुदान राशि सितम्बर माह में

जारी कर दी गई है। वित्त नियंत्रक ने बताया कि विश्वविद्यालय की रूपी हुई ग्रांट जारी करवाने व कर्मचारियों के सीपीएफ से पेंशन कंस के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उन्हें विशेष दायित्व सौंपा हुआ था। उन्होंने बताया कि इसको लेकर चंडीगढ़ में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद ग्रांट तो जारी करवा दी गई है और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का सीपीएफ से पेंशन का केस जोकि लंबे समय से वित्त विभाग के पास क्लेरिफीकेशन के लिए अधूरा पड़ा हुआ था, वह भी जल्द ही पूरा होने का उम्मीद है। इस केस के बारे में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से जल्द पूरा होने का आश्वासन मिला है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वित्त नियंत्रक के प्रयासों की सराहना करते हुए वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का भी धन्यवाद किया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
लोक संपर्क

दिनांक 14.9.2020 पृष्ठ संख्या.....
कॉलम.....

एचएयू के अधूरे प्रोजेक्ट्स पकड़ेंगे रप्तार, सरकार से मिला सौ करोड़ रुपये का अनुदान

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अभी तक पैसे के अभाव में अधूरे पटे प्रोजेक्ट और अन्य अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों नहीं रुकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेच्यूटी, लीब इनकैशमेंट, सीपीएफ आदि की पेमेंट भी कर जल्द करें दी जाएगी। इसके लिए हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को लगभग सौ करोड़ रुपये (98.27 करोड़ रुपये) की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। यह राशि विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है। यह जानकारी देते हुए

विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से प्रांतीवर्ष चार तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की अनुदान राशि जो जून माह में जारी की जानी थी,



प्राथमिकता से पूरे करें
सेवानिवृत्त कर्मचारियों
के काम : प्रो. समर सिंह

विपरीत असर पड़ रहा था। उन्होंने बताया कि अब हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से यह अनुदान राशि सितम्बर माह में जारी कर दी गई है। वित्त नियंत्रक ने बताया कि विश्वविद्यालय की रुकी हुई ग्रांट जारी करवाने व कर्मचारियों के सीपीएफ

से पेंशन केस के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उन्हें विशेष दायित्व सौंपा हुआ था। उन्होंने बताया कि इसको लेकर चंडीगढ़ में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद ग्रांट तो जारी करवा दी गई है और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का सीपीएफ से पेंशन का केस जोकि पिछले लंबे समय से वित्त विभाग के पास क्लेरिफिकेशन के लिए अभूत पड़ा हुआ था, वह भी जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं कि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी कामों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। इसके लिए उन्हें दर-दर नहीं भटकना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय को उत्तरि के शिखर पर ले जाने में अपना अहम् योगदान दिया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

१५८१२२२

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक १५. ९. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

एचएयू के अधूरे प्रोजेक्ट्स पकड़ेंगे रपतार, सरकार से मिला सौ करोड़ रूपये का अनुदान

प्राथमिकता से पूरे करें सेवानिवृत्त कर्मचारियों के काम : प्रोफेसर समर सिंह

टुडे न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अपी त्रुक् पैसे के अभाव में अधूरे पड़े प्रोजेक्ट और अन्य अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियां नहीं रूकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की गैरच्छूटी, लीब इनकैशमेंट, सीवीपी आदि की पेमेंट भी कर जल्द कर दी जाएगी।

इसके लिए हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को लागतग सौ करोड़ रूपये (९८.२७ करोड़ रूपये) की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। यह राशि विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से प्रतिवर्ष चार तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी



सेवानिवृत्त कर्मचारियों को जल्द मिलेगा पैसा : कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं कि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी कामों को प्राथमिकता के आधार पर लिपटाया जाए। इसके लिए उन्हें दर-दर नहीं भटकना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को विश्वविद्यालय को उज्ज्वित के शिखर पर ले जाने में आपना अहम योगदान दिया है। इसलिए उनको पैसा, घोर्हूटी, लीब इनकैशमेंट व मैटिकल संबंधी किसी भी प्रकार के कार्यों में देरी नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अब विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से दूसरी तिमाही के लिए लगभग सौ करोड़ रूपये की अनुदान राशि मिल चुकी है। इसलिए सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंडिंग पड़ी सभी पेमेंट को जल्द से जल्द कर दिया जाना चाहिए।

तिमाही की अनुदान राशि जो जून माह में जारी की जानी थी, वह कोरोना महामारी व कुछ अन्य प्रशासनिक कारणों से जारी नहीं हो सकी थी। इसकी वजह से विश्वविद्यालय के कई प्रोजेक्ट अधर में लटके हुए थे औं निर्माण, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों पर भी पैसे के अभाव में विपरीत असर पड़ रहा था। उन्होंने बताया कि अब हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से यह अनुदान राशि सितम्बर

माह में जारी कर दी गई है। वित्त नियंत्रक ने बताया कि विश्वविद्यालय की रूपी हुई ग्रांट जारी करवाने व कर्मचारियों के सीपीएफ से पेंशन केस के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उन्हें विशेष दायित्व सौंपा हुआ था। उन्होंने बताया कि इसको लेकर चुड़ीगढ़ में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद ग्रांट तो जारी करवा दी गई है और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का सीपीएफ से पेंशन

का केस जोकि लंबे समय से वित्त विभाग के पास कर्तृपक्षेशन के लिए अभूत पड़ा हुआ था, वह भी जल्द ही पूरा होने को उम्मीद है। इस केस के बारे में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से जल्द पूरा होने का आश्वासन मिला है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वित्त नियंत्रक के प्रयासों की सराहना करते हुए वित्त विभाग के अंतरिक्त मुख्य सचिव का भी धन्यवाद किया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पत्रा पत्रा.....

दिनांक 13.9.2020 पृष्ठ संख्या.....— कॉलम.....—

एचएयू के अधूरे प्रोजेक्ट्स पकड़ेंगे रफ्तार, मिला सौ करोड़ रूपये का अनुदान

पल पल न्यूज़: हिसार, 13 सितम्बर। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अभी तक पैसे के अभाव में अधूरे पड़े प्रोजेक्ट और अन्य अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियां नहीं रुकेंगी।

इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेच्यूटी, लीब इनकैशमेंट, सीवीपी आदि की पेमेंट भी कर जल्द कर दी जाएगी। इसके लिए हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को लगभग सौ करोड़ रूपये (98.27 करोड़ रूपये) की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। यह राशि विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से प्रतिवर्ष चार तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की अनुदान राशि जो जून माह में जारी की जानी थी, वह कोरोना महामारी व कुछ अन्य

प्रशासनिक कारणों से जारी नहीं हो सकी थी। इसकी वजह से विश्वविद्यालय के कई प्रोजेक्ट अधर में लटके हुए थे और निर्माण, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों

पर भी पैसे के अभाव में विपरीत असर पड़ रहा था। उन्होंने बताया कि अब हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से यह अनुदान राशि सितम्बर माह में जारी कर दी गई है। वित्त नियंत्रक ने बताया कि विश्वविद्यालय की रुकी हुई ग्रांट जारी करवाने व कर्मचारियों के सीपीएफ से पेंशन केस के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उन्हें विशेष दायित्व सौंपा हुआ था। उन्होंने बताया कि इसको लेकर चंडीगढ़ में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद ग्रांट तो जारी करवा दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं कि



विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी कामों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। इसके लिए उन्हें दर-दर नहीं भटकना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय को उन्नति के शिखर पर ले जाने में अपना अहम् योगदान दिया है। इसलिए उनके पेंशन, ग्रेच्यूटी, लीब इनकैशमेंट व मेडिकल संबंधी किसी भी प्रकार के कार्यों में देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से दूसरी तिमाही के लिए लगभग सौ करोड़ रूपये की अनुदान राशि मिल चुकी है। इसलिए सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंडिंग पड़ी सभी पेमेंट को जल्द से जल्द कर दिया जाना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पांच बजे

दिनांक .13-9-2020 पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

एचएयू के अधूरे प्रोजेक्ट्स पकड़ेंगे रप्तार, सरकार से मिला सौ करोड़ रुपये का अनुदान

पांच बजे व्यूग

हिसार। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अभी तक पैसे के अभाव में अधूरे पड़े प्रोजेक्ट और अन्य अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियां नहीं रुकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेच्यूटी, लीब इनकेशमेंट, सीबीपी आदि की पेमेंट भी कर जल्द कर दी जाएगी। इसके लिए हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को लगभग सौ करोड़ रुपये (98.27 करोड़ रुपये) की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। यह राशि विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है।

यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से प्रतिवर्ष चार तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की अनुदान राशि जो जून माह में जारी की जानी थी, वह कोरोना महामारी व कुछ अन्य प्रशासनिक कारणों से जारी नहीं हो सकी थी। इसकी वजह से विश्वविद्यालय के कई प्रोजेक्ट अधर में लटके हुए थे और निर्माण, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों पर भी पैसे के अभाव में विपरीत असर पड़ रहा था।

उन्होंने बताया कि अब हरियाणा सरकार के



वित्त विभाग की ओर से यह अनुदान राशि सितम्बर माह में जारी कर दी गई है। वित्त नियंत्रक ने बताया कि विश्वविद्यालय की रुकी हुई ग्रांट जारी करवाने व कर्मचारियों के सीपीएफ से पेंशन केस के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उन्हें विशेष दायित्व सौंपा हुआ था। उन्होंने बताया कि इसको लेकर चंडीगढ़ में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद ग्रांट तो जारी करवा दी गई है और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का सीपीएफ से पेंशन का केस जोकि लंबे समय से वित्त विभाग के पास लेनदेन के लिए अधूरा पड़ा हुआ था, वह भी जल्द ही

पूरा होने की उम्मीद है। इस केस के बारे में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से जल्द पूरा होने का आश्वासन मिला है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वित्त नियंत्रक के प्रयासों की सराहना करते हुए वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का भी धन्यवाद किया है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नहीं हो कोई परेशानी - कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशानिर्देश दिए हैं कि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी कामों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। इसके लिए उन्हें दर-दर नहीं भटकना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय को उन्नति के शिखर पर ले जाने में अपना अहम योगदान दिया है। इसलिए उनके पेंशन, ग्रेच्यूटी, लीब इनकेशमेंट व मेडिकल संबंधी किसी भी प्रकार के कार्यों में देरी नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अब विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से दूसरी तिमाही के लिए लगभग सौ करोड़ रुपये की अनुदान राशि मिल चुकी है। इसलिए सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंडिंग पड़ी सभी पेमेंट को जल्द से जल्द कर दिया जाना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... चंभा : ३०२
दिनांक १३-१-२०२० पृष्ठ संख्या कॉलम

हकूमि को मिले 98.27 करोड़, सेवानिवृत्त कर्मियों को अब मिलेगा उनका बकाया

हिसार, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अभी तक पैसे के अभाव में अधूरे पड़े प्रोजेक्ट और अन्य अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियां नहीं रुकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेच्यूटी, लीब इनकैशमेंट, सीवीपी आदि की पेमेंट भी जल्द कर दी जाएंगी। इसके लिए हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को लगभग सौ करोड़ रूपये 98.27 करोड़ रूपये की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। दूसरी तिमाही के लिए मिली इस राशि की जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से प्रतिवर्ष चार तिमाही

में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की अनुदान राशि जो जून माह में जारी की जानी थी, वह कोरोना महामारी व कुछ अन्य प्रशासनिक कारणों से जारी नहीं हो सकी थी। इसकी वजह से विश्वविद्यालय के कई प्रोजेक्ट अधर में लटके हुए थे और निर्माण, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों पर भी पैसे के अभाव में विपरीत असर पड़ रहा था। उन्होंने बताया कि अब वित्त विभाग की ओर से यह अनुदान राशि सितम्बर माह में जारी कर दी गई है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वित्त नियंत्रक के प्रयासों की सराहना करते हुए वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का भी धन्यवाद किया है।